

दैनिक

केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

नवयत्न

RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018

विजयादशमी
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं

मां ने बेटे को फोन किया, नहीं उठाया तो दोस्त को भेजा, कमरे का दरवाजा तोड़ा तो फंदे पर लटकता मिला इंजीनियर विपुल पारीक

खेतड़ीनगर (नवयत्न)। केसीसी टाउनशिप स्थित जीटी हॉस्टल में एक ट्रेनी मैकेनिकल इंजीनियर ने फंदा लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान हरियाणा के कौसली निवासी आशीष यादव (28) पुत्र अश्वनी अश्वनी कुमार के रूप में हुई है। वह केसीसी प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट प्लांट में ट्रेनी मैकेनिकल इंजीनियर के पद पर कार्यरत था। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। जानकारी के अनुसार आशीष ने 4 अगस्त 2026 को केसीसी प्रोजेक्ट में ज्वाइन किया था। वह जीईटी हॉस्टल के कमरा नंबर 8 में रहता था। सोमवार सुबह आशीष की मां ने उसके मोबाइल पर फोन किया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। इसके बाद मां ने हॉस्टल में उसके पड़ोस में रहने वाले दोस्त आयुष को फोन कर आशीष से बात करवाने के लिए कहा। आयुष आशीष के कमरे पर पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो उसने अन्य सथियों को बुलाया। इसके बाद दरवाजा तोड़कर देखा तो आशीष कमरे में पंखे से फंदे पर लटका मिला। घटना का पता चलते ही हॉस्टल में हड़कंप मच गया।

पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा
सूचना पर खेतड़ीनगर थानाधिकारी राकेश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी जुटाई। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के पिता अश्वनी यादव की रिपोर्ट पर मार्ग दर्ज की गई है। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

ईईएन पर हमले के विरोध में कर्मचारियों व किसानों ने दूसरे दिन भी दिया धरना तारानगर (नवयत्न)। इंदिरा गांधी नहर परियोजना तारानगर के ईईएन छोटाराम फुलवारिया पर नहर से पानी चोरी रोकने के लिए रात्रि गश्त के दौरान हुए हमले के विरोध में परियोजना के कर्मचारियों व किसानों की ओर से अधिशाषी अभियंता कार्यालय के सामने दिया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। कर्मचारियों ने हमले के दोषियों को तुरंत गिरफ्तार कर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने, नहर पर रात्रि गश्त स्थानीय पुलिस प्रशासन के भरोसे न रखकर आरएसी या विशेष सशस्त्र सुरक्षा बल के सुपुर्द करने, अभियंताओं को गश्त से मुक्त करने, अभियंताओं को सुरक्षा के लिए सुरक्षा कानून बनाने की मांग की। धरने पर बैठे कर्मचारियों व किसानों ने चेतावनी दी कि जब तक उनके मांगे पूरी नहीं की जाती तब तक उनका धरना जारी रहेगा। धरने पर आईजीएमपी के सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता, कर्मचारी तथा अनेक किसान बैठे।



खबरें सड़क से संसद तक

मुंबई पुलिस ने कहा : टाइगर की हत्या करने आये थे हमलावर कोटा से तीनों गिरफ्तार एक बिहार, 2 हरियाणा के; दावा- लॉरेंस गैंग ने ठेका दिया मुंबई।

अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हमले को लेकर मुंबई पुलिस ने सोमवार को पत्रकार वार्ता की। मुंबई पुलिस के डीसीपी ने बताया कि जिस तरह से गोलियां चलाई गईं, उससे लगता है कि आरोपी हत्या की योजना से ही आए थे। उधर टाइगर की कार पर गोलीबारी करने वाले हमलावर 15 घंटे में राजस्थान के कोटा रेलवे स्टेशन से पकड़े गए। टाइगर पर रविवार शाम 7 बजे हमला किया गया था। आरोपी जयपुर, दिल्ली के रास्ते नेपाल भागने की तैयारी में थे। मुंबई पुलिस से सूचना मिलने के बाद कोटा पुलिस ने सुबह 10.30 बजे रेलवे स्टेशन से पकड़ा। कोटा की एस्प्री तेजस्विनी गौतम के मुताबिक, तीनों पुणे-जयपुर एक्सप्रेस से जयपुर जा रहे थे। सामान्य डिब्बे में हिरासत में लिया गया। इनके पास से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ है। पुलिस के मुताबिक, लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित ने हमला करने का ठेका दिया था। अनिल ने वीडियो जारी कर इसकी जिम्मेदारी ली। टाइगर को गोली नहीं लगी, लेकिन उनके बाएं हाथ में बारूद और कांच के टुकड़ों से चोट आई है। गोलीबारी में उनके चालक को भी चोट लगी है।



पुलिस बोली- तीनों में कोई भी आरोपी नाबालिग नहीं
राजस्थान पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए तीनों संदिग्धों में दो हरियाणा और एक बिहार का रहने वाला है। इनमें हरियाणा के सोनीपत का रेहान और बिहार के बेगूसराय का त्रैलोक्य कुमार उर्फ रोशन शामिल हैं। पहले तीसरे आरोपी के नाबालिग होने की बात सामने आई थी। पुलिस ने इससे इनकार किया। पुलिस अब इनसे पूछताछ कर हमले की साजिश और इसमें शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। मुंबई पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, आरोपी करीब 10 दिनों से टाइगर श्रॉफ पर नजर रख रहे थे। उन्होंने उनके घर और जिम की भी रेकी की थी। गोलीबारी से पहले आरोपियों ने 45 मिनट तक उस इलाके को जाना था। वे सोशल मीडिया पर पापराजी के वीडियो और ब्लॉग्स की सामग्री से भी टाइगर की मौजूदगी के स्थान और दिनचर्या की जानकारी जुटा रहे थे। रविवार को गोलीबारी के बाद आरोपी मुंबई में पसवी रोड से विले पार्क और अंधेरी की ओर भागे। उन्होंने अंधेरी पश्चिम रेलवे स्टेशन के पास अपनी बाइक छोड़ दी और ट्रेन में सवार हो गए। पुलिस ने बाइक बरामद कर ली थी।

पंचायतीराज आम चुनाव के द्वितीय चरण में 247 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में तृतीय चरण के नामांकन शुरू

जयपुर। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के तहत जयपुर जिले में निर्वाचन प्रक्रिया जारी है। द्वितीय चरण में पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए नाम वापसी की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 247 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में रह गए हैं, जबकि तृतीय चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि द्वितीय चरण में पांच पंचायत समितियों के कुल 81 बाडों के लिए 347 अभ्यर्थियों ने कुल 371 नामांकन पत्र दाखिल किए थे। संवीक्षा के बाद 93 नामांकन पत्र अस्वीकृत तथा 5 नामांकन पत्र डिस्कार्ड किए गए। इसके बाद 273 वैध अभ्यर्थियों में से 26 अभ्यर्थियों ने नाम वापस लिया। इस प्रकार नाम वापसी के बाद कुल 247 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में हैं। पंचायत समिति अमरसर में 49, ओमेर में 66, जालसू में 49, रामपुरा डाबड़ी में 41 तथा शाहपुरा में 42 अभ्यर्थी चुनाव लड़ेंगे।

एशियाई पैरा खेल : भाला फेंक एफ46 में भारत का दोहरा धमाल, रिकू ने जीता स्वर्ण, अजीत को रजत

नई दिल्ली । एशियाई पैरा खेल 2026 में सोमवार को पुरुषों की भाला फेंक एफ46 स्पर्धा में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण और रजत पदक अपने नाम किए। रिकू ने 65.11 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि अजीत सिंह ने 65.02 मीटर की दूरी तय कर रजत पदक हासिल किया। इंडोनेशिया के सकल्योनु आर ने 55.30 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता।

कोकिला को अंतिम मुकाबले में मिली हार

इससे पहले, एशियाई चैंपियनशिप को रजत पदक विजेता और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉपस) की खिलाड़ी कोकिला को



अंतिम मुकाबले में किर्गिस्तान की ऐबिके उलानबेक किजी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। ऐबिके 2026 विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता और 2025 एशियाई चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता हैं। मुकाबले में कोकिला को 21 सेकंड के भीतर इण्पोन से हार मिली, जिसके बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

वजन वर्ग में बदलाव के बाद 52 किग्रा में उतर रहीं कोकिला

कोकिला ने 2022 एशियाई पैरा खेल में महिलाओं की जे2-48 किग्रा स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। लॉस एंजेलिस 2028 पैरालंपिक खेलों के चक्र के लिए वजन वर्गों में बदलाव किए गए हैं। इसके बाद कोकिला अब 52 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं।

सौम्या ने स्वर्ण, राधा ने जीता रजत

सोमवार को जापान के नागोया स्थित मिंगुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में पैरा-एथलेटिक्स स्पर्धाओं में भी भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। सौम्या और राधा वेंकटेश ने महिलाओं की 1500 मीटर टी12/टी13 अंतिम स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीतकर भारत की पदक तालिका में इजाफा किया।



वैश्विक व्यापार और भू-राजनीतिक चुनौतियों पर विदेश मंत्री जयशंकर ने स्विफ्ट सीईओ से की चर्चा

नई दिल्ली ।

वैश्विक अंतरबैंक वित्तीय दूरसंचार सोसाइटी (स्विफ्ट) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेवियर पेरेज-तासो ने सोमवार को नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की। इस दौरान वैश्विक व्यापार को सुगम और प्रभावी बनाने के साथ-साथ भू-राजनीतिक चुनौतियों पर भी चर्चा हुई।

वैश्विक व्यापार और भू-राजनीतिक चुनौतियों पर विचार-विमर्श

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक तस्वीर साझा कर इस मुलाकात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में स्विफ्ट के सीईओ जेवियर पेरेज-तासो से मिलकर खुशी हुई। दोनों के बीच वैश्विक व्यापार को सुगम और कुशल बनाने के महत्व पर चर्चा हुई। इसके साथ ही, इस दिशा में सामने आने वाली भू-राजनीतिक चुनौतियों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया गया। जेवियर पेरेज-तासो जुलाई 2019 से स्विफ्ट के सीईओ के रूप में कार्यरत हैं। वह वर्ष 1995 में इस संगठन से जुड़े थे और तब से विभिन्न तकनीकी तथा नेतृत्व संबंधी भूमिकाएं निभा चुके हैं। सीईओ बनने से पहले, सितंबर 2015 से वह अमेरिका और ब्रिटेन क्षेत्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। इससे पहले उन्होंने संगठन में मुख्य विपणन अधिकारी (सीएमओ) की जिम्मेदारी संभाली थी। इस दौरान उन्होंने स्विफ्ट 2020 रणनीति का नेतृत्व किया था।



सीमा पार भुगतान को बेहतर बनाने पर जोर

स्विफ्ट के कामकाज में सीमा पार भुगतानों को तेज, सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए नई तकनीकों का इस्तेमाल महत्वपूर्ण है। इस दिशा में ब्लॉकचेन तकनीक, केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्राओं (सीबीडीसी) और डिजिटल परिसंपत्तियों के एकीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इन तकनीकों का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय वित्तीय लेनदेन को अधिक प्रभावी बनाना और भुगतान प्रणाली की दक्षता में सुधार करना है।

वैश्विक वित्तीय संदेश प्रणाली है स्विफ्ट

स्विफ्ट का पूरा नाम सोसाइटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशन है। यह एक वैश्विक वित्तीय संदेश प्रणाली है, जिसका इस्तेमाल दुनिया भर के बैंक और वित्तीय संस्थान अंतरराष्ट्रीय भुगतान से संबंधित संदेशों का सुरक्षित आदान-प्रदान करने के लिए करते हैं। यह प्रणाली वित्तीय संस्थानों के बीच भुगतान संबंधी निर्देशों और सूचनाओं के संचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

नवयत्न

कोबरी पोस्ट



राम हैं मयादा पुरुषोन्तम, रावण भी प्रचंड विद्वान् था...
अन्तर बस इतना, रावण को ज्ञान का अहंकार, श्री राम को अहंकार का ज्ञान था...

भक्त आतिशबाजी के बीच लंकेश का दहन आज



लिन

रिंगस (नवयत्न)। रिंगस कस्बे के दशहरे मैदान में सोमवार देर रात को रावण, कुंभकरण व मेघनाथ के विशालकाय पुतलो को क्रेनो की सहायता से खड़ा किया गया। विशाल सितमका ने बताया पुतलो को खड़ा करने से पहले विशेष रूप से आरती की गई। इसके बाद अनेक मंदिरों में प्रसादी का भोग लगाया गया। ब्राह्मण धर्मशाला परशुराम भवन से तीनों पुतले रावण, कुंभकरण व मेघनाथ के अलग अलग हिस्सो को युवा विकास मंच के कार्यकर्ता अलग अलग हिस्सों में लेकर दशहरे मैदान में पहुंचे। पुतले के हिस्सो को अनेक लोग कधो पर रख कर करीब एक किमी दूर लशहरा मैदान में लेकर पहुंचे। इस दौरान रावण के पुतलों को देखने के लिए लोगो की भीड़ अट गई। अनेक बच्चों ने रावण, कुंभकरण व मेघनाथ के सिर के साथ सेल्फी ली। युवा विकास मंच के अध्यक्ष आर्यन पारीक ने बताया कि मंगलवार को रात सवा आठ बजे दशहरे मैदान में रावण दहन होगा। इसके ठिक पहले भक्त अतिशबाजी की जायेगी। इसके लिए खण्डेला व जयपुर से विशेष शोसार बुलाये गये हैं। आसमान से इस बार आतिशबाजी का भक्त नजारा पेश होगा। चाद सितारे टूटते नजर आयेगे तो साथ ही सोने की अशर्मा दर्शको पर बरसती नजर आयेगी। दशानन का सिर चारों दिशाओ में घूमता नजर आयेगा साथ ही उसकी जीभ लपलपाती आग उगलती नजर आयेगी। कार्यकर्ताओं ने बताया कि पुतलो को आकर्षक रूप दिया गया है। इसके लिए विशेषज्ञों की राय ली गई। रावण, कुंभकरण व मेघनाथ के पुतले भक्त आकर्षक के साथ साथ विशालकाय बनाये गये हैं। दूर से ही आकर्षक का विषय रहेंगे।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 42 लोगो की हुई जांच



लिन

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय वार्ड नं. 22 के पार्षद नरेंद्र गुर्जर के सहयोग से द धर्माथे मेडिकल फाउंडेशन द्वारा सोमवार शनि मंदिर के पास निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पार्षद नरेंद्र गुर्जर की अगुवाई में 42 लोगों की बीपी, शुगर, ग्रिक एसिड, धड़कन एवं वजन की निःशुल्क जांच की गई। शिविर का आयोजन बैंगलोर प्रवासी एवं सुजानगढ़ निवासी कमलेश-भरत झूरवाल के आर्थिक सौजन्य से किया गया। इस अवसर पर पार्षद नरेंद्र गुर्जर ने कहा कि वार्ड के हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिले, यही उनका लक्ष्य है। फाउंडेशन के इस प्रयास से गरीब और आमजन को कम खर्च में इलाज मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी वार्ड में इस तरह के जनहित के कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

कोतवाली थाने में हुई सीएलजी सदस्यों की बैठक



लिन

सुजानगढ़ (नवयत्न)। सीएलजी सदस्यों की बैठक का आयोजन कोतवाली थाने में किया गया। बैठक में दुर्गा पूजा महोत्सव के समापन पर निकलने वाली शोभा यात्राओं और रावण दहन के कार्यक्रम को लेकर चर्चा की गई। बैठक में एएसआई महेंद्र सिंहए एसआई तेजाराम, विद्युत निगम के कनिष्ठ अभियंता गौतम कुमार मौजूद रहे। बैठक में नगरपरिषद का कोई भी अधिकारी मौजूद नहीं रहा। सीएलजी सदस्यों ने कहा कि कम से कम नगरपरिषद के किसी अधिकारी को मीटिंग में आना चाहिए था। बैठक में श्याम स्वर्णकार, पुखराज ढाका, खुशीराम चंदरा, भंवरलाल बिजारणियां, दिलीप प्रजापत, दीनदयाल पारीक, बनवरीलाल भार्गव, एडवोकेट विमल गोदारा, गिरधारीलाल बुगालिया, मदनलाल सोनी, पार्षद रफीक ख्वींकी, मोहम्मद असलम मौलानी, दिनेश तंवर सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को मारी टक्कर : मां-बेटी गंभीर घायल

लिन

जयपुर (नवयत्न)। मानसरोवर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हुए हादसे में स्कूटी सवार मां-बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। यह हादसा 17 अक्टूबर रात 11:52 बजे एप्पल केमिस्ट एंड जनरल स्टोर के सामने हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार चालक की तलाश शुरू कर दी है। जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल मुरारी लाल के अनुसार ज्योति विहार मान्यावास निवासी भाई ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी बहन शांता अपनी बेटी मीनाक्षी मूलचंदानी के साथ एक्टैवा स्कूटी पर सवार होकर घर से अग्रवाल फार्म स्थित घर जा रही थीं। इसी दौरान एप्पल केमिस्ट एंड जनरल स्टोर के सामने एक सफेद रंग की कार के चालक ने लापरवाही से गाड़ी पीछे ली। इसके बाद कार ड्रिवाइडर से टकराने के बाद गलत दिशा में चली गई और स्कूटी को जोरदार टकर मार दी। टकर इतनी तेज थी कि स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गई और मां-बेटी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से दोनों को जयपुरिया अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में उन्हें एसएमएस अस्पताल भेजा गया। जहां उनका उपचार जारी है। इधर पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार चालक को पहचान करने में जुटी है।

पानी निकासी की केबल्स पर लगातार चोरों का धावा, बाधित हो रहा पानी निकासी का कार्य

लिन

सुजानगढ़ (नवयत्न)। सुजानगढ़ शहर के मोहल्लों में भरने वाले पानी की निकासी के कार्य को चोरों ने माजक बनाकर रखा दिया है। ऐसा लगता है ज्यो-ज्यो सभापति खुद पानी निकासी के कार्य को गंभीरता से लेते हुए काम करने की कोशिश करते हैं, त्यों-त्यों चोर इस कार्य को बाधित करने का प्रयास तेज कर देते हैं। ऐसा ही वाक्या एक बार फिर से उस वक्त सामने आ गया जब रविवार की शाम को छपर रोड़ स्थित पंप में लगी मोटर की केबल काटकर चोर ले गए।

लोगों का कहना है कि यहां पर रविवार की शाम के बाद मोटर बंद हुई है। पंप संचालक देवीलाल ने बताया कि मैंने रविवार को दोपहर में तीन बजे मोटर चालू की



थी। शाम को मोटर बंद थी, तब हम लोगों ने सोचा कि कोई बिजली के फेज की समस्या होगी और विद्युत विभाग को भी सूचना दी गई। लेकिन वे समस्या का हल नहीं कर पाये। आज सुबह जब देखाए तो पाया कि मोटर में लगी केबल ही गायब है। पंप संचालक देवीलाल का कहना है कि मैं एक

ही व्यक्ति इस पंप पर कार्यरत हूं इसलिए जब-जब जरूरत पड़ती है, मोटर चलाने के लिए आता हूं। दूसरी ओर पार्षद अमजद खान कायमखानी ने बताया कि केबल चोरी हो जाने की घटना होली धोरा के बाद यहां पर भी हो गई। एक घटना के बाद नगरपरिषद ने सबक नहीं लिया, तो दूसरी घटना सामने

रानी सती माता मंदिर के वार्षिक महोत्सव पर हुए विभिन्न धार्मिक आयोजन

लिन

राजलदेसर (नवयत्न)। कस्बे की श्री राजलदेसर गौशाला परिसर में नेशनल हाईवे पर स्थित रानी सती माता मंदिर के पांचवें वार्षिक महोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर माता रानी के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर के पुजारी पंडित बृजेश दाधीच ने बताया कि वार्षिक महोत्सव के तहत प्रातः मंदिर परिसर में महाआरती का आयोजन किया गया। इसके बाद सुबह 11 बजे मंदिर ट्रस्टी सुरेंद्र दूगड़ के सानिध्य में हवन-यज्ञ का आयोजन हुआ। यज्ञ में देश में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना को लेकर श्रद्धालुओं ने आहुतियां दीं। पंडित बृजेश दाधीच ने बताया कि मंदिर की स्थापना को पांच वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि रानी सती माता के प्रति श्रद्धालुओं में गहरी आस्था है और यहां आने वाले भक्त माता के दरबार में अपनी मनोकामना लेकर पहुंचते हैं। उन्होंने मंदिर से जुड़े श्रद्धालुओं के अनुभवों का उल्लेख करते हुए माता रानी की कृपा एवं आस्था के विभिन्न उदाहरण भी प्रस्तुत किए। मंदिर ट्रस्टी सुरेंद्र दूगड़ ने बताया कि आने वाले



समय में मंदिर परिसर के पास श्रद्धालुओं के लिए चाय-पानी की स्टॉल की सुविधा उपलब्ध करवाने की योजना है। साथ ही बच्चों के मनोरंजन के लिए उच्च गुणवत्ता वाले झुले भी लगाए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि राजलदेसर युवा विकास समिति की प्रेरणा से आगामी वर्षों में मंदिर परिसर में मेहंदी प्रतियोगिता के साथ बच्चों को धार्मिक एवं भक्ति भाव से जोड़ने के उद्देश्य से रानी सती दादी आइडल भक्ति प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। इसमें राजलदेसर सहित आसपास के क्षेत्र के बालक-बालिकाएं

गोपाष्टमी पर्व की तैयारियों को लेकर गौशाला में बैठक आयोजित



लिन

राजलदेसर (नवयत्न)। श्री राजलदेसर गौशाला में आगामी गोपाष्टमी पर्व के आयोजन को लेकर रविवार शाम 5 बजे गौशाला के सभागार कक्ष में गौशाला सदस्यों की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में गोपाष्टमी पर्व को श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाने के साथ ही विभिन्न धार्मिक, जनजागृति कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान गोपाष्टमी पर्व के आयोजन को सुव्यवस्थित रूप से संभल करवाने के लिए सर्वसम्मति से कैलाश सोनी को आयोजन समिति का संयोजक तथा एडवोकेट रोहित मारु एवं विनोद भाटिया को सहसंयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में गोपाष्टमी पर्व के अवसर पर गौ-विज्ञान आधारित परीक्षा आयोजित करने पर भी सहमति बनी। परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति,



बीकानेर रेलवे स्टेशन के सुपर डेंट गजे सिंह सांखला, सहायक वाणिज्य प्रबंधक लालचंद कुम्हार,

शादी के पांच महीने बाद विवाहिता की संदिग्ध हलात में मौत

लिन

जयपुर (नवयत्न)। शिवदासपुरा थाना क्षेत्र में 24 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। विवाहिता की करीब पांच महीने पहले ही शादी हुई थी। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे महात्मा गांधी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां देर रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाधिकारी राजेश गौतम के अनुसार सीतापुरा के मानव विहार निवासी लवी कुमारी की रविवार को मौत हो गई। करीब पांच महीने पहले उसकी शादी मर्चेट नेवी में कार्यरत सूरज शर्मा से हुई थी। पुलिस के मुताबिक, लवी पिछले दो.तीन दिन से बीमार चल रही थी। रविवार शाम करीब छह बजे उसने कुछ टेबलेट खाई। इसके कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे तुरंत महात्मा गांधी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां भर्ती कर उसका उपचार शुरू किया गया। देर रात इलाज के दौरान लवी ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस ने महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया। पुलिस के अनुसार विवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में मर्ग दर्ज कर जांच की जा रही है।

प्रगतिशील प्रजापति संघ ने बीकानेर रेलवे स्टेशन को भेंट की दो व्हीलचेयर

लिन

राजलदेसर (नवयत्न)। प्रगतिशील प्रजापति संघ, राजलदेसर के सौजन्य से असहाय एवं जरूरतमंद यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बीकानेर रेलवे स्टेशन पर दो व्हीलचेयर भेंट की गई। इस पहल का उद्देश्य स्टेशन पर आने-जाने वाले दिव्यांग, बुजुर्ग एवं चलने-फिरने में असमर्थ यात्रियों को आवश्यक सुविधा उपलब्ध करवाना है। इस अवसर पर

सेवानिवृत्त सीनियर टीटीई नारायण प्रसाद प्रजापत तथा राजलदेसर निवासी सामाजिक

पानी निकासी की केबल्स पर लगातार चोरों का धावा, बाधित हो रहा पानी निकासी का कार्य

लिन

सीसीटीवी रिकॉर्डिंग भी सामने आ गई, तो उस मामले में किसी प्रकार की कानूनी कार्यवाही सामने नहीं आई थी। अब लोगों को यही डर सता रहा है कि नगरपरिषद की सम्पति चोरी हो रही है, लेकिन नगरपरिषद एफआईआर करवायेगी या नहीं।

चोरी का खुलासा हो न हो लेकिन चोरों की सुविधा का पूरा-पूरा ध्यान रखा जा रहा है। छपर रोड़ के पंप हाउस को बने हुए 9-10 महीने का समय बीत गया है। चोरी करने वाले चोरों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसके लिए न तो इस पंप हाउस पर गेट लगाया गया है और न ही खिड़की। निर्माण करने कारीगरों ने गेट लगाने की जगह छोड़ दीए क्योंकि उनको उम्मीद थी कि यहां पर गेट लगाया जायेगा। लेकिन अब जनता इस बात का खुद फैसला करे कि जब

8-9 महीने ने नगरपरिषद इस पंप हाउस पर गेट नहीं लगा पाई, तो ताला लगाना सपने के समान मान सकते हैं। शायद नगरपरिषद को यह लगा होगा कि सतयुग चल रहा है और चोर क्यों चोरी करेंगे। लेकिन चोरों ने इसे चोरी का सुअवसर समझकर चोरी को अंजाम दिया, वो भी शाम को और पानी निकासी का कार्य को ठप्प कर दिया।

लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही पुलिस इन केबल चोरों को पकड़कर जेल भिजवाएगी, क्योंकि जल निकासी पूरे शहर के हित से जुड़ा हुआ बड़ा मामला है। लेकिन पुलिस को भी इसके लिए एक रिपोर्ट की आवश्यकता होती है, यह बात नगरपरिषद को भी समझनी होगी।

वहीं शाम के 5 बजे तक केबल दुरुस्त नहीं हो पाई।

दुर्गा पूजा महोत्सव में विधायक का हुआ स्वागत



लिन

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय रेलवे स्टेशन के सामने स्थित सियाराम बाबा की बगीची में चल रहे दुर्गा पूजा महोत्सव के तहत माँ दुर्गा के नीवें स्वरूप में माँ सिद्धिदात्री की विशेष पूजा हुई। पंडित विष्णु दाधीच ने पूजा करावाई। यजमान प्रकाश राव पूजा में बैठे। गोवर्धन खालसा के महामंडलेश्वर श्यामसुंदर दास त्यागी ने रविवार रात को विधायक मनोज मेघवाल, सभापति मदनलाल गुलरिया, उपसभापति सोनिका पीपलवा, भाजपा नेता बाबूलाल कुलदीप, भाजपा मंडल

अध्यक्ष विनय मटोलिया, पार्षद तनसुख प्रजापत, गणेश मंडावरिया, कांग्रेस नेता अमित मारोटिया का दुष्टा पहनाकर स्वागत किया। संयोजक मनीष स्वामी ने बताया कि दुर्गा पूजा महोत्सव में डाँडिया गरबा का कार्यक्रम परवान पर है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुनील सोनी, आलोक स्वामी, मुरारी खंडेलवाल, अमरचंद्र सेन, राकेश प्रजापत, गोलू स्वामी, महेंद्र टाक, योगेश खंडेलवाल, विकी मोयल, निखिल लाटा, कमल माली, प्रकाश जांगिड़, बृजेश शर्मा, सावर्मल सहित अनेक कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। संचालन कविता बागवान ने किया।

ऑपरेशन चक्रव्यूह : 38 करोड़ की हेरोइन सहित छह तस्कर गिरफ्तार

लिन

जयपुर (नवयत्न)। ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर में छह तस्करों को गिरफ्तार कर करीब 13 किलो 953 ग्राम हेरोइन जब्त की है। जब हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 38 करोड़ रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपियों से 1.85 लाख रुपए नकद और दो लजरी गाड़ियां भी जब्त की हैं। वहीं पिछले दो दिनों में शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो कैटरों से 1.42 करोड़ रुपए की अंग्रेजी शराब जब्त कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में दो इनामी अपराधी भी शामिल हैं। इनमें एक राखला थाने के मामले में 20 हजार रुपए तथा बीकानेर के खाजूवाला थाने के मामले में दूसरा 15 हजार रुपए का इनामी है। हनुमानगढ़ जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य ने बताया कि जिले के गोलूवाला थाना क्षेत्र में दो संदिग्ध वाहनों की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस तलाश शुरू की। रोही अयालकी में एमओडी नहर के पास दो वाहन खड़े मिले। वाहनों की तलाशी लेने पर 19 पैकेट में कुल 9 किलो 821 ग्राम हेरोइन और 1.85 लाख रुपए नकद बरामद हुए। पुलिस ने मौके



से हासम अली 29, उसकी पत्नी रबीना 20, मां गुलजारा 50, निवासी हंसलिया, थाना गोलूवाला, हनुमानगढ़ तथा बलविंदर सिंह 34, निवासी रायपुर गुजरां, थाना महतपुर, तहसील नकोदर, जिला जालंधर को गिरफ्तार किया। वहीं श्रीगंगानगर के राखला थाना क्षेत्र में पुलिस ने पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए गिराई गई हेरोइन लेते पहुंचे दो तस्करों को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस के अनुसार थाना सदर के कांस्टेबल कैलाश चंद्र जाखड़ ने सूचना दी थी कि 365 हैड पर पंजाब के दो व्यक्ति पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए गिराई गई हेरोइन लेने आए हैं और रेकी कर रहे हैं। दोनों पंजाबी बोलने वाले व्यक्ति बस का इंजजार कर रहे थे। राखला थाना पुलिस की टीम को देखकर वे वहां से जाने लगे लेकिन पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। जांच के दौरान जसविंदर सिंह 40 और

जसवंत सिंह 40, निवासी चालावली, थाना अरणीवाला, तहसील व जिला फाजिल्का, पंजाब के कब्जे से आठ पैकेट में कुल 4 किलो 132 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस कार्रवाई में कांस्टेबल कैलाश जाखड़ की विशेष भूमिका रही। वहीं हनुमानगढ़ टाउन थाना पुलिस ने 1.42 करोड़ रुपए की शराब जब्त की 380 पेटियों से भरे कैटर को पकड़ा और दो तस्करों को गिरफ्तार किया। इस शराब की अनुमानित कीमत करीब 70 लाख रुपए है। दोनों कार्रवाइयों में कुल चार आरोपी गिरफ्तार किए गए और 1.42 करोड़ रुपए की शराब जब्त की गई। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पुछताछ कर हेरोइन और शराब के खरीद-फरोख, तस्करी के स्रोत, आपूर्ति नेटवर्क तथा अन्य संलिस लोगों की जानकारी जुटा रही है।

मधुमक्खीयों के हमले मे 4 घायल

लिन

सुजानगढ़ (नवयत्न)। सोमवार सुबह खेत में काम करते समय डूगरास अणुण गांव मे मधुमक्खीयों ने हमला कर दिया। जिससे एक ही परिवार के कमला पत्नी बुढ़ाप्राम मेघवाल, पंचदप मेघवाल, प्रदीप मेघवाल, गुंजन मेघवाल मधुमक्खियों के हमले में डंक लगाने से घायल हो गए जिनको कुंदन दर्जी सुजानगढ़ अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉ लियाकत अली, हंसराज, रामरख आदि ने इलाज शुरू किया। टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार और स्टाफने सैंकड़ो डंक सभी के निकाले, जिससे स्थिति में सुधार हुआ।



नगर परिषद की पहली साधारण सभा 23 को

दैनिक नवयत्न

झुंझुनूं । निकाय चुनाव के बाद नवनिर्वाचित नगर परिषद बोर्ड को पहली साधारण सभा 23 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे होगी। सभापति अब्दुला अगवान की अध्यक्षता में होने वाली साधारण सभा शहर में दीपावली को देखते हुए सफाई व्यवस्था, समितियों का गठन, नए वाहनों की खरीद पर विचार होगा। इसमें सीवरेज लाइन की सफाई हेतु छोटी जेटिंग मशीन, एक्सकेवेटर मय लोडर, ट्रैक्टर मय लोडर, ट्रैक्टर ट्रॉली, इनोवा क्रिस्टा व स्कॉर्पियो वाहन खरीदने, स्ट्रीट लाइट और पोल का विस्तार, कचरा निस्तारण के लिए कचरा स्थल, डॉग शेल्टर हाउस, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, विकास कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

मां भगवती के जागरण में देर रात तक झूमे श्रद्धालु



विपुल पाटीक

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। गोठड़ा ग्राम पंचायत की सीआईएसएफ लाइन स्थित पहाड़ी पर बने शिव मंदिर में श्याम भक्त मंडल के सौजन्य से चल रहे दुर्गा पूजा महोत्सव के सातवें दिन रविवार को मां भगवती के विशाल जागरण का आयोजन किया गया। जागरण में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और माता के भजनों का आनंद लिया। मुंशीराम, रोहिताश स्वामी और रामकरण अधाणा की मुख्य यजमानी में पंडित देवीलाल और गजानंद शर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना कर जागरण का शुभारंभ किया। इसके बाद नारनौल की निशा भवानी एंड पार्टी के कलाकारों ने मां भगवती के एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियां दीं। भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक झुमते रहे। कार्यक्रम में क्षेत्र के ग्रामीणों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी। इस दौरान समाजसेवी बबलू अवाना, रविंद्र फोजी, हरीराम गुर्जर, अनिल भराड़, जुगल किशोर सैनी, रामस्वरूप, दिनेश सैनी, दाताराम और मूलचंद स्वामी सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

पंचायती राज चुनाव : गौरव चतुर्वेदी पर्यवेक्षक नियुक्त

दैनिक नवयत्न

झुंझुनूं। पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के सफल एवं निष्पक्ष संचालन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग ने राजस्थान राज्य बीज निगम, जयपुर के प्रबंध निदेशक गौरव चतुर्वेदी को पंचायती राज चुनाव के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। वहीं, उद्यान विभाग के उपनिदेशक डॉ. विजयपाल कस्या को पर्यवेक्षक हेतु लाइजनिंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है।

सिंधाना पंचायत चुनाव में 63 प्रत्याशी मैदान में

दैनिक नवयत्न

सिंधाना। पंचायत समिति के पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में चुनावी मैदान की तस्वीर साफ हो गई है। नाम वापसी के बाद अब प्रत्याशी आमने सामने हैं। जिसके कारण मुकाबला रोचक हो गया है। ज्यादातर वार्डों में भाजपा और कांग्रेस में आमने-सामने की कड़ी टक्कर है, लेकिन कुछ वार्डों में अन्य दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों ने मुकाबले को त्रिकोणिय बना दिया है। सबसे अधिक प्रत्याशी वार्ड संख्या 7 में आठ प्रत्याशी मैदान में हैं जबकि सबसे कम वार्ड संख्या वार्ड 2 और 13 में हैं। र्टिनगं अधिकारी बाबूलाल बिजारणियां ने बताया कि पंचायत समिति चुनाव में कांग्रेस के 15, भाजपा के 15, रालोपा के दो व अन्य 31 प्रत्याशी मैदान में हैं।

पिलानी में एटीएम तोड़ने का मामला, हरियाणा से एक और आरोपी गिरफ्तार

दैनिक नवयत्न

झुंझुनूं । जिले के पिलानी में पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम को तोड़कर लूटने का प्रयास करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के खिलाफ पुलिस ने एक और कार्रवाई की है। पुलिस ने मामले में वांछित आरोपी अर्जुन को हरियाणा के झुज्जर जिले से गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस एक विधि से संघर्षित बालक को नरुद्ध करने के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल कार और एटीएम तोड़ने के उपकरण भी बरामद किए थे। दरअसल, 8 अक्टूबर को पिलानी में पंचवटी के पास स्थित पंजाब नेशनल बैंक की शाखा के बाहर लगे एटीएम को चार अज्ञात बदमाशों ने तोड़ने का प्रयास किया था। बदमाशों ने एटीएम के सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए थे। मशीन में करीब 7 लाख 25 हजार रुपए नकद थे। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर आरोपी अर्जुन पुत्र दिलबाग, निवासी दुबलफुलन, थाना बेरी, जिला झुज्जर, हरियाणा को पहचान की। इसके बाद पुलिस टीम ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी से पूछताछ जारी है।

पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने देखी बिसाऊ की मूक रामलीला, पुतले बनाने की कला भी जानी ऐतिहासिक हवेलियों और प्राचीन दरवाजे का किया अवलोकन, विरासत संरक्षण के लिए युवाओं को जोड़ने पर दिया जोर

विनोद प्रजापति

बिसाऊ (नवयत्न)। शेखावाटी की ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक परंपराओं को जानने के लिए पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर के विद्यार्थियों ने बिसाऊ का भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने विश्व प्रसिद्ध मूक रामलीला का मंचन देखा। साथ ही ऐतिहासिक हवेलियों और बिसाऊ के अंतिम बचे ऐतिहासिक दरवाजे का अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने इन धरोहरों को संरक्षित रखने की जरूरत बताई। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने मूक रामलीला में



इस्तेमाल होने वाले पुतलों को बनाने की प्रक्रिया भी देखी। पारंपरिक कारीगरी और कलाकारों की मेहनत को देखकर वे प्रभावित हुए। विद्यार्थियों ने इस

कला के पीछे छिपी वर्षों पुरानी परंपरा और सांस्कृतिक महत्व की जानकारी ली। भ्रमण में आलिया होड, मिमांशा, पायल सैनी और रिक्शन इवान सहित टीम के अन्य

सदस्य शामिल हुए। इस दौरान विद्यार्थियों ने बिसाऊ की सांस्कृतिक विरासत को करीब से जाना और इसके संरक्षण के महत्व को समझा।

शेखावाटी में पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए पर्यटन विशेषज्ञ राजेश शर्मा को सम्मानित किया गया। वहीं, राजस्थान की संस्कृति और विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने वाली त्रैमासिक पत्रिका ‘भाव बुलेटिन’ के लिए आलिया होड और उनकी टीम का सम्मान किया गया। बेल्जियम मूल की आलिया होड राजस्थान की संस्कृति और विरासत में विशेष रुचि रखती हैं। पत्रिका के माध्यम से प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहरों, कला और सांस्कृतिक पहचान को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

युवाओं को विरासत से जोड़ने पर जोर

विद्यार्थियों ने कहा कि बिना संवाद के हाव-भाव और अभिनय के माध्यम से रामायण की कथा प्रस्तुत करना मूक रामलीला की खास पहचान है। इस परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए युवाओं को इससे जोड़ना और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूक करना जरूरी है।

नशे के खिलाफ अभियान चलाएगी युवा कांग्रेस, पंचायत चुनाव में युवाओं को आगे बढ़ाने का संकल्प

युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष अंकित फोगाट की धन्यवाद यात्रा का बाजडोली में समापन, झुंझुनूं से गांव तक 2 दर्जन से ज्यादा जगहों पर हुआ स्वागत

अशोक राईका

झुंझुनूं (नवयत्न)। युवा कांग्रेस के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष अंकित फोगाट की धन्यवाद यात्रा का रविवार रात उनके गांव बाजडोली में समापन हुआ। इस मौके पर आयोजित सम्मान समारोह में युवा कांग्रेस के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक चौधरी और युवा कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सुधीर मूंड भी शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष ने अंकित फोगाट को जीत की बधाई देते हुए झुंझुनूं के युवाओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में युवाओं के बीच बढ़ती नशे की समस्या गंभीर चिंता का विषय है। युवा कांग्रेस इस समस्या के खिलाफ प्रदेशभर में निर्णायक लड़ाई शुरू करेगी। अंकित फोगाट के जिलाध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद पहली बार झुंझुनूं पहुंचने पर धन्यवाद यात्रा निकाली गई। यात्रा के दौरान झुंझुनूं शहर से लेकर बाजडोली गांव तक दो दर्जन से अधिक स्थानों पर कार्यक्रमों में उनका स्वागत किया। गांव में आयोजित सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता और स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

नशे के खिलाफ प्रदेशभर में अभियान चलाएगा संगठन

समारोह में प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक



चौधरी ने कहा कि नशा युवाओं के पैरों में बेड़ियों की तरह बढ़ता जा रहा है। यह युवाओं के भविष्य और समाज के लिए गंभीर समस्या है। युवा कांग्रेस नशे के खिलाफ मजबूत लड़ाई लड़ेगी। प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए संगठन की ओर से कई कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। नशे के खिलाफ अभियान भी इसी रणनीति का हिस्सा होगा। चौधरी ने कहा कि अंकित फोगाट को बड़े जनादेश के साथ जिलाध्यक्ष चुना गया है। उन्हें उम्मीद है कि अंकित के नेतृत्व में झुंझुनूं में युवा कांग्रेस और मजबूत होगी तथा युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। पंचायती राज चुनावों के कारण प्रदेश के कई

पदाधिकारी कार्यक्रम में नहीं पहुंच सके, लेकिन उन्होंने अपनी शुभकामनाएं भेजी हैं। राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से भी अंकित फोगाट को बधाई दी गई है।

पंचायत चुनाव में युवाओं को आगे लाने पर रहेगा जोर

नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष अंकित फोगाट ने कहा कि आगामी पंचायत चुनावों में अधिक से अधिक युवा कार्यकर्ताओं को जीत दिलाकर गांव की सरकार में भागीदारी सुनिश्चित करना संगठन की प्राथमिकता रहेगी। इसके लिए स्थानीय कांग्रेस नेताओं, पूर्व एवं वर्तमान जनप्रतिनिधियों और युवा साधियों के साथ समन्वय

स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन स्तर पर युवाओं को आगे बढ़ाने और चुनावों में उनकी मदद करने के प्रयास किए जाएंगे। स्थानीय स्तर पर सभी साधियों को साथ लेकर काम किया जाएगा, ताकि पंचायत चुनावों में युवाओं की भागीदारी बढ़ सके।

फोगाट ने कहा कि राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी और प्रदेश नेतृत्व के निर्देशों के अनुसार युवा कांग्रेस जनहित के मुद्दे उठाएगी। मतदाता सूची और वोट चोरी से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस की ओर से किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि संगठन आगे भी पार्टी के निर्देशानुसार आंदोलन करेगा।

तीन राजकीय कॉलेजों में नवमतदाता पंजीकरण शिविर, 41 युवाओं के जुड़वाए नाम

दिनेश जाखड़

गुढ़ा (नवयत्न)। नवरात्रि अवकाश के दौरान क्षेत्र के तीन राजकीय महाविद्यालयों में विशेष नवमतदाता पंजीकरण शिविर आयोजित किए गए। शिविर में 38 विद्यार्थियों सहित कॉलेजों में नहीं पढ़ने वाले 3 युवाओं का भी मतदाता के रूप में पंजीकरण कराया गया।

संत श्री केदारनाथ मोदी राजकीय महाविद्यालय, गुढ़ा की प्राचार्य डॉ. अनिता झाझड़िया के मार्गदर्शन में 19 अक्टूबर को यह अभियान चलाया गया। इसके तहत राजकीय महाविद्यालय उदयपुरवाटी और राजकीय कन्या महाविद्यालय गुढ़ा में भी शिविर



आयोजित हुए। शिविर में 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के पात्र युवाओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी गई। ईएलसी प्रभारियों ने युवाओं को मतदान के महत्व के प्रति

जागरूक करते हुए पात्र युवाओं से मतदाता बनने की अपील की। प्राचार्य डॉ. अनिता झाझड़िया ने कहा कि युवा लोकतंत्र की महत्वपूर्ण शक्ति हैं। प्रत्येक पात्र युवा का मतदाता सूची में पंजीकरण लोकतांत्रिक व्यवस्था

को मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम है। अभियान को सफल बनाने में तीनों महाविद्यालयों के ईएलसी प्रभारी डॉ. नरेश कुमार, डॉ. अजीत और डॉ. सतार कुरैशी सहित शिक्षकों एवं कर्मिकों का सहयोग रहा।

सोना देने का झांसा देकर 5 लाख रुपए लूटने का आरोपी हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

दैनिक नवयत्न

झुंझुनूं । जिले के सुलताना थाना पुलिस ने सोना देने का झांसा देकर एक व्यक्ति को बंधक बनाने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देकर 5 लाख रुपए छीनने के मामले में हिस्ट्रीशीटर आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी रजनीश डारा, किशोरपुरा का निवासी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ अलग-अलग थानों में 18 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक, 16 सितंबर 2026 को आरोपी ने परिवारी राजेश कुमार को फोन कर कैप्टी बैंक में 70 ग्राम सोना रखे होने की बात कही। आरोपी ने सोने की कीमत 6 लाख 60 हजार रुपए बताकर उसे बैंक से छुड़वाने का झांसा दिया। आपाप है कि इसके बाद परिवारी को अपने

घर ले जाकर वहां मौजूद करीब 13 से 14 लोगों के साथ मिलकर बंधक बनाया गया। उसके साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी देकर 2 लाख रुपए एक्सिस बैंक खाते में जमा करवाए गए, जबकि 3 लाख रुपए नकद छीन लिए गए। परिवारी किसी तरह वहां से जान बचाकर भाग निकला। मामले में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने परिवारी और गवाहों के बयान दर्ज किए। घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आरोपी के बैंक खाते के रिकॉर्ड भी जुटाए गए। जांच में आरोप प्रमाणित पाए जाने पर पुलिस ने रजनीश डारा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी 21 अक्टूबर 2026 तक पुलिस रिमांड पर है। मामले में अन्य लोगों की भूमिका को लेकर पुलिस की जांच जारी है।

निर्स

खेतड़ी (नवयत्न)। उदयपुरवाटी क्षेत्र के खोह गांव में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तोड़े जाने के विरोध में खेतड़ी के लोगों ने रोष जताया। चुना चौक स्थित अंबेडकर पार्क में एकत्रित होकर लोगों ने घटना की निंदा की और प्रशासन से आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की। पूर्व पार्षद हरमंद चनानिया ने कहा कि डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाना निर्दनीय है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से देश को समानता, न्याय और भाईचारे का संदेश दिया। ऐसे महारुष का प्रतिमा तोड़ना समाज की भावनाओं को आहत करने वाला कृत्य है। उन्होंने प्रशासन से



मामले को गंभीरता से लेते हुए घटना में शामिल लोगों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी करने की मांग की। साथ ही कहा कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं

की पुनरावृत्ति नहीं हो। इस दौरान मौजूद लोगों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर लिया तो समाज के लोग आंदोलन करेंगे। इस अवसर पर रमेश मेघवाल, गोकुल चंद मेहरड़ा,

जगमोहन गोठवाल, राकेश बजाड़, प्रमोद बबेरवाल, योगेश चनानिया, महेंद्र बबेरवाल, मनीष कुमार, विनोद कुमार, पवन बबेरवाल, विकास कुमार और प्रदीप मेहरड़ा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मुकुंदगढ़ के कुंभनाथ दरबार में महा नवमी पर कन्या पूजन

दैनिक नवयत्न

मुकुंदगढ़। महा नवमी के अवसर पर कुंभनाथ दरबार में कामाक्षा मां कामधेनु सेवा संस्थान ट्रस्ट के तत्वावधान में कन्या पूजन एवं भोजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। दरबार के महंत डॉ. शैलेंद्र नाथ अघोरी के सानिध्य में कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया। इसके बाद दक्षिणा भेंट कर कन्याओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में गोपी सैनी, रजनीश पांडे, रमेश कुमार, लूणकरण बलारा, दिनेश चला, विनीत प्रेमका, रवि रॉय, सुरेंद्र शर्मा, कांती शर्मा, बबलू चेजारा,



चेतराम, दिनेश, धिरेन्द्र, गोविंद शर्मा, गंगा प्रसाद शर्मा और कृष्ण कुमार शर्मा सहित बड़ी संख्या में सेवकगण उपस्थित रहे।



सम्पादकीय

संकट में यूरोप



अलग-अलग कारणों से विभिन्न यूरोपीय देशों में वहां की सरकारों के खिलाफ हो रहे धरना-प्रदर्शन जिस तरह अराजक होते जा रहे हैं, उससे समूचा यूरोप संकट से घिरता दिख रहा है। यह सामान्य बात नहीं कि फ्रांस, इटली, अल्बानिया, पुर्तगाल और बेल्जियम आदि में सड़कों पर उतर कर सरकारों के खिलाफ असंतोष जताने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। चिंताजनक यह है कि कहीं-कहीं असंतोष का यह प्रदर्शन हिंसा, आगजनी और लूटपाट में तब्दील हो जा रहा है। इस मामले में फ्रांस के कुछ शहरों में हो रही अराजकता किसी बड़े गंभीर संकट का सूचक जान पड़ती है। प्रदर्शनकारी आगजनी और लूटपाट करने के साथ पुलिसकर्मियों पर हमले भी कर रहे हैं। फ्रांस में धरना-प्रदर्शन स्कूलों में शिक्षकों और सुविधाओं की कमी को लेकर शुरू हुए थे। बाद में महंगाई और सामाजिक योजनाओं के व्यय में कटौती जैसे मुद्दे भी इसमें शामिल हो गए। फ्रांस के अलावा अन्य यूरोपीय देशों में कहीं सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर रहे हैं, कहीं बेरोजगारी के विरोध में तो कहीं बढ़ती महंगाई अथवा आवास की कमी के कारण।

यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि लोगों के असंतोष को भुनाने और अराजकता का सहारा लेने वाले सक्रिय हो चुके हैं। अंदरूनी हिंसा है कि आने वाले दिनों में यूरोप के अन्य देश भी अराजकता भरे प्रदर्शनों से दो-चार हो सकते हैं। यूरोप में अप्रवासियों के खिलाफ भी आक्रोश पनप रहा है। इसके नतीजे में कई यूरोपीय देशों में दक्षिणपंथी दलों का उभार हो रहा है। समस्या यह है कि अवैध अप्रवासियों का जो विरोध हो रहा है, उसकी चपेट में वैध अप्रवासी भी आ रहे हैं। अप्रवासियों के खिलाफ विरोध की लहर आस्ट्रेलिया और अमेरिका में भी देखी जा रही है।

यूरोप और पश्चिम के अन्य देश जिन समस्याओं से घिरे हैं, उनके लिए वही अधिक जिम्मेवार हैं। ये देश हिंसक प्रदर्शनों को इसलिए नियंत्रित नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि लोगों की जायज चिंताओं के बहाने अराजकता फैलाने वालों को कुछ ऐसी शक्तियां भड़काने में लगी हुई हैं, जो अपने संकीर्ण हितों की पूर्ति करना चाहती हैं। इनमें इस्लामिस्टों और कम्युनिस्टों के गठजोड़ की भूमिका कहीं अधिक दिखाई दे रही है।

ऐसे गठजोड़ दुनिया के अन्य देशों में भी अस्थिरता और अराजकता का माहौल पैदा कर रहे हैं। कहीं-कहीं यह गठजोड़ आतंक की पैरवी करने वालों का भी साथ दे रहा है और लोगों के बीच वैचारिक खाई को चौड़ा करने का काम भी कर रहा है। ऐसे तत्वों से विश्व समुदाय को एकजुट होकर निपटने के लिए आगे आने की आवश्यकता है। यदि ऐसा नहीं होता तो यूरोप में आज जो अशांति का माहौल दिख रहा है, वह विश्व के अन्य देशों में भी देखने को मिल सकता है।

France और Italy में जो हुआ वो India में नहीं हो, इसके लिए Modi-Shah ने क्या पहले से कोई तैयारी कर रखी है?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांस में हिंसा और लूटपाट की घटनाओं के बाद दृश्य सोशल पर जो टिप्पणी की है, उसने पूरी दुनिया में एक नई बहस छेड़ दी है। ट्रंप ने लिखा, फ्रांस जल रहा है! और चेतावनी दी है कि अलग दुनिया से आए लोगों के आब्रजन ने कभी महान रहे देश को संकट में डाल दिया है। उन्होंने फ्रांस से अपनी सीमाएं बंद करने और बहुत देर होने से पहले हालात पर नियंत्रण हासिल करने की अपील की है। ट्रंप की यह टिप्पणी भले ही राजनीतिक रूप से कठोर हो, लेकिन इसके पीछे उठ रहा बुनियादी सवाल बेहद महत्वपूर्ण है कि आखिर किसी राष्ट्र की सीमाओं, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी किसकी है? और जब सरकारें इन चुनौतियों से निपटने में विफल होती हैं, तो उसकी कीमत कौन चुकाता है?

फ्रांस के हालात से पूरी दुनिया स्तब्ध-फ्रांस में 17 अक्टूबर को हुए प्रदर्शनों के दौरान जो तस्वीरें सामने आईं, वे किसी भी राष्ट्र के लिए चिंताजनक हैं। महंगाई, शिक्षा व्यवस्था और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ी शिकायतों को लेकर सड़कों पर उतरे हजारों लोगों के बीच हिंसक समूहों ने दुकानों में लूटपाट की, वाहनों में आग लगाई और सरकारी इमारतों को निशाना बनाया। लिमोज शहर का ऐतिहासिक टाउन हॉल आगजनी में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पेरिस, मार्सेई और लियोन में भी हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आईं। फ्रांसीसी अधिकारियों ने कट्टरपंथी वामपंथी समूहों और उपद्रवियों को हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराया।

फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने राष्ट्र के नाम संबोधन में इस हिंसा पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शहरों की सड़कों को इस तरह बर्बाद होते देखना असहनीय है। मैक्रों ने सुरक्षा बलों के समर्थन में खड़े होते हुए स्पष्ट किया कि जायज मांगों और हिंसा के बीच अंतर किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन को सार्वजनिक इमारतों और कारोबारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, ज़रूरत पड़ने पर कुछ प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाने तथा हिंसा करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उनका संदेश साफ था कि संवाद का अर्थ कमजोरी और लोकतांत्रिक अधिकारों का अर्थ दंड से मुक्ति नहीं है।

देखा जाये तो एक बुनियादी बात समझने की ज़रूरत है। लोकतंत्र में विरोध करना अधिकार है, लेकिन हिंसा करके सरकार को झुकाना, सार्वजनिक संपत्ति नष्ट करना और आम नागरिकों के जीवन को संकट में डालना अधिकार नहीं हो सकता। यदि कोई समूह अपनी राजनीतिक या वैचारिक मांगों के लिए कानून को चुनौती देने लगे, तो सरकार का दायित्व है कि वह निर्णायक कार्रवाई करे। सरकार की लोकप्रियता और उसकी नीतियों पर सवाल उठ सकते हैं, लेकिन देश की कानून-व्यवस्था को बंधक नहीं बनाया जा सकता।

इटली में भी बिगड़े हालात-दूसरी ओर, यूरोप की यह बेचैनी अब केवल फ्रांस तक सीमित नहीं है। इटली में भी 17 और 18 अक्टूबर को महंगाई, कम वेतन और सार्वजनिक सेवाओं की स्थिति के विरोध में प्रदर्शन हुए। मिलान में नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने दुकानों के शीशे



तोड़े, आगजनी की और पुलिस पर पत्थर फेंके। पुलिस को आंशु गैस और पानी की बौखारों का इस्तेमाल करना पड़ा। बोलीन्या, ब्रेसिया, बर्गामो और ट्यूरिन में भी झड़पों की खबरें आईं। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने हिंसा की निंदा करते हुए पुलिस के समर्थन में बयान दिया और स्थिति पर चर्चा के लिए सरकारी बैठक बुलाई। इटली की घटनाएं एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने लाती हैं। यूरोप में बढ़ती महंगाई, कम वेतन, महंगे आवास और सार्वजनिक सेवाओं की बदहाली ने लोगों में असंतोष पैदा किया है। इस असंतोष को केवल आब्रजन या किसी एक विचारधारा के खाले में डालना वास्तविक समस्याओं से आंखें मूंदना होगा। लेकिन जब जायज शिकायतों के बीच हिंसक समूह घुस आते हैं और विरोध को लूटपाट में बदल देते हैं, तो आम नागरिकों का नुकसान होता है और लोकतांत्रिक आंदोलन की विश्वसनीयता भी खत्म होने लगती है। फ्रांस और इटली दोनों की घटनाओं से यही सबक मिलता है कि सरकारों को जनता की समस्याओं का समाधान भी करना होगा और अराजकता फैलाने वालों के खिलाफ कठोरता भी दिखानी होगी।

फ्रांस, इटली की घटनाओं का भारत के लिए निहितार्थ-भारत के लिए इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू अवैध घुसपैठ और राष्ट्रीय सुरक्षा है। बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ तथा म्यांमार से आए रोहिंग्या समुदाय के लोगों की अनधिकृत मौजूदगी लंबे समय से सुरक्षा और प्रशासन से जुड़े सवाल खड़े करती रही है। भारत जैसे विशाल और संवेदनशील सीमाओं वाले देश के लिए यह कोई मामूली विषय नहीं है। सीमा पार से आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पहचान, नागरिकता और कानूनी स्थिति का सत्यापन होना चाहिए। जहां अवैध प्रवेश प्रमाणित हो, वहां कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति के खिलाफ अपराध या सुरक्षा संबंधी गतिविधियों के ठोस प्रमाण हों, तो जांच और अभियोजन में कोई ढिलाई नहीं होनी चाहिए।

मोदी-शाह ने खतरे को पहले ही भांप लिया था-वैसे ट्रंप आज दुनिया को सीमाओं की सुरक्षा और अवैध घुसपैठ पर सख्ती का जो संदेश दे रहे हैं, उसे भारत के

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुत पहले ही भांप लिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस चुनौती से निपटने के लिए पहले से ही कदम उठा रहे हैं। मोदी सरकार ने अवैध घुसपैठ और उससे जुड़े जनसांख्यिकीय बदलावों की पड़ताल के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित की है, जिसकी अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नाओलेकर कर रहे हैं। गृह मंत्रालय ने 26 मई 2026 को इस समिति का गठन किया और 14 अक्टूबर को इसका आधिकारिक पोर्टल demography.mha.gov.in शुरू किया गया। इस पोर्टल के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकारें, संस्थाएं तथा आम नागरिक जनसांख्यिकीय बदलावों, असामान्य बसावट और अवैध घुसपैठ से संबंधित जानकारी दे सकते हैं। समिति का उद्देश्य अवैध प्रवासियों की पहचान, हिरासत और निर्वासन के लिए कानूनी, निष्पक्ष और समयबद्ध व्यवस्था की सिफारिश करना भी है। इसके अलावा, अमित शाह सीमाओं की सुरक्षा के लिए स्मार्ट बॉर्डर परियोजना को आगे बढ़ा रहे हैं। इसके तहत ड्रोन, रडार, निगरानी कैमरे, वांचटावर और अत्याधुनिक सेंसर जैसी तकनीकों को सीमा सुरक्षा व्यवस्था से जोड़ा जा रहा है। जुलाई 2026 में सिलीगुड़ी के झुमागाछ स्थित सीमा चौकी पर अमित शाह ने फेंसिंग में सेंच का पता लगाने वाली प्रणाली और दुर्यम इलाकों में घुसपैठ की चेतावनी देने वाली तकनीक का निरीक्षण भी किया था। सरकार का लक्ष्य केवल सीमा पार से होने वाली घुसपैठ रोकना नहीं, बल्कि देश के भीतर मौजूद अवैध प्रवासियों की पहचान और उनके मामलों का कानूनी निपटारा करना भी है। भारत में घुसपैठ का मुद्दा तब और गंभीर हो जाता है, जब राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषय को वोट बैंक की राजनीति की भेंट चढ़ा दिया जाता है। अवैध घुसपैठियों की पहचान और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई का विरोध करने वाले राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि सत्ता की लालसा में देश के भविष्य से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। आज फ्रांस और इटली में जो कुछ देखने को मिल रहा है, भारत को उससे सबक लेना है, वैसे परिस्थितियों का इंतजार नहीं करना है।

स्वास्थ्य समाचार

ऑयली स्किन के लिए बेस्ट होते हैं यह फेश वॉश

हर किसी की स्किन टाइप अलग-अलग होती है। किसी की स्किन टाइप ड्राई, तो किसी की नॉर्म होती है। वहीं कुछ लोगों की स्किन टाइप ऑयली भी होती है। वैसे तो हर किसी की त्वचा से तेल निकलता है, जो सीबम या मोमा पदार्थ का उत्पादन करता है, जिससे त्वचा मेंड्रैराइज रहती है। लेकिन कुछ लोगों की त्वचा पर सीब का उत्पादन काफी अधिक होता है, इसे ऑयली स्किन के रूप में जाना जाता है। ऑयली स्किन तब होती है, जब आपकी ग्रंथियां बहुत अधिक सीबम का उत्पादन करती हैं। ऐसे में पोर्स बंद हो जाते हैं और मुहांसे निकलते लगते हैं

और त्वचा से जुड़ी अन्य समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। त्वचा का ऑयली होना एक स्किन टाइप है, न कि कोई समस्या। लेकिन अगर ऑयली स्किन की सही तरीके से देखभाल न की जाए, तो त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में ऑयली स्किन पर किसी भी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल सोच-समझकर किया जाना चाहिए, ताकि सीबम के उत्पादन को रोका जा सके। खासकर ऑयली स्किन वालों को अपने लिए एक बेस्ट फेश वॉश को चुनना चाहिए। हर स्किन के लिए अलग-अलग तरह के फेश वॉश बनाए जाते हैं।

फोमिंग फेस वॉश : ऑयली स्किन वाले लोगों के लिए फोमिंग बेस्ड फेस वॉश सबसे बेस्ट माना जाता है। फोमिंग बेस्ड फेस वॉश त्वचा में एक्स्ट्रा सीबम के उत्पादन को रोकता है। इससे त्वचा से ऑयल कम होता है और मुहांसों से भी राहत मिलती है। फोमिंग बेस्ड फेस वॉश चेहरे से साफ डूँड आसानी से निकाल जाता है। यह चेहरे पर जमा धूल-मिट्टी, प्रदूषण और अतिरिक्त ऑयल को आसानी से साफ कर सकता है। जब चेहरे से एक्स्ट्रा ऑयल रिमूव होता है, तो मुहांसों, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स

की समस्या भी कम होती है। फोमिंग फेस वॉश कम मात्रा में लगाने से भी अच्छा झग्न बन सकता है। फोमिंग फेस वॉश को ऑयली स्किन वाले सभी महिलाएं और पुरुष इस्तेमाल में ला सकते हैं।

जेल बेस्ड फेस वॉश : अगर आपकी ऑयली स्किन ऑयली है, तो आप जेल बेस्ड फेस वॉश का इस्तेमाल कर सकते हैं। जेल बेस्ड फेस वॉश यूज करने से ऑयली स्किन पर जमा एक्स्ट्रा तेल रिमूव हो जाता है और मुहांसों, ब्लैकहेड्स आदि से छुटकारा मिलता है। पूजा गोपाल बताती



हैं कि ऑयली स्किन वाले लोगों के लिए जेल बेस्ड फेस वॉश का यूज करना अच्छा साबित हो सकता है। जेल बेस्ड फेस वॉश का यूज करने से आपकी ऑयली स्किन से जुड़ी समस्याओं का भी समाधान हो सकता है।

सैलिसिलिक एसिड फेस वॉश : ऑयली स्किन वालों के लिए सैलिसिलिक एसिड युक्त फेस वॉश काफी अच्छा हो सकता है। यह त्वचा से एक्स्ट्रा ऑयल को रिमूव करता है और ऑयली को कम करता है। लेकिन इसका इस्तेमाल अधिक

मात्रा में करने से बचना चाहिए, क्योंकि यह स्किन को ड्राई बना सकता है।

लोशन बेस्ड फेस वॉश : ऑयली स्किन के लिए लोशन बेस्ड फेस वॉश भी अच्छा साबित हो सकता है। लोशन बेस्ड फेस वॉश में ऑयल बिल्कुल नहीं होता है, जिससे ऑयली स्किन से छुटकारा मिल सकता है। लेकिन लोशन बेस्ड फेस वॉश स्किन से ऑयल को सोख सकता है और स्किन ड्राई हो सकती है। लेकिन रोजाना लोशन बेस्ड फेस वॉश का यूज करने से बचना चाहिए।

गले की नसों में दर्द से छुटकारा दिलाएंगे यह खास उपाय

गले या गर्दन में दर्द की समस्या आमतौर पर गले में खराश, खांसी और सूजन आदि के कारण होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं, कुछ मामलों में यह दर्द गले की नसों में ब्लॉकेज और सूजन के कारण भी हो सकता है? जी हाँ, आपने बिल्कुल सही पढ़ा! नसों में दर्द के कारण भी लोगों को अक्सर गले और गर्दन में गंभीर दर्द का सामना करना पड़ता है। कई बार यह दर्द काफी असहनीय भी हो जाता है, साथ ही लोगों को आए दिन परेशान करता है। लोग अक्सर इसे आम दर्द समझकर इससे छुटकारा पाने के लिए दर्द निवारक दवाओं का सेवन करते हैं, लेकिन फिर भी दर्द से आराम नहीं मिलता है।

गले की नसों में दर्द के कारण : गले की नसों में दर्द आमतौर पर नसों को नुकसान पहुंचाने या डैमेज के कारण होता है। नसों को नुकसान पहुंचाने के लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। ब्लड सर्कुलेशन और ब्लड प्रेशर, जिसकी वजह से नसों में रक्त का संचार ठीक से नहीं हो पाता है। जिसकी वजह से खून नसों में जमने लगता है

और ब्लॉकेज का कारण बनता है। ब्लॉकेज के कारण नसों में रक्त आगे नहीं बढ़ता है और इकट्ठा होता रहता है। जिससे नसों में सूजन होने लगती है और उन्हें नुकसान पहुंचाता है। इसके अलावा लंबे-लंबे समय तक एक पोजीशन में गर्दन को रखने, गर्दन में झटका आने पर भी नसों को नुकसान पहुंच सकता है।

गले की नसों नसों में दर्द का इलाज : नसों में दर्द का इलाज सर्जिकल और नॉन सर्जिकल दोनों तरीके से किया जाता है। जिसमें फिजियोथेरेपी और दवाओं आदि की मदद से नसों में दर्द का इलाज करने की कोशिश की जाती है। समस्या गंभीर होने पर सर्जरी की मदद से भी डैमेज नसों को ठीक करने का प्रयास किया जाता है। अगर कोई व्यक्ति लंबे समय से नसों में दर्द की समस्या से परेशान है तो उन्हें डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। हालांकि कुछ घरेलू उपायों की मदद से आप काफी हद तक नसों में दर्द से राहत पा सकते हैं। इनसे आप नसों, मांसपेशियों में जकड़न और और सूजन को दूर कर आराम पा सकते हैं।

सिकाई करें : गले के निचले हिस्से की हॉट बॉटस या बैग की मदद से गर्म सिकाई करें। आप इसके लिए तवे को गर्म करके सूती कपड़े की मदद से भी सिकाई कर सकते हैं।

स्ट्रेचिंग करें : गर्दन को दाएं-बाएं, आगे-पीछे स्ट्रेच करें और सर्कुलर मोशन में घुमाएं। लेकिन गर्दन को ज्यादा जोर लगाकर न खींचें। इससे सूजन कम होगी और ब्लड सर्कुलेशन में भी सुधार होगा।

नियमित योग करें : ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने के लिए योग का अभ्यास बहुत लाभकारी होता है। इससे आपको दर्द से राहत पाने और बचाव में भी मदद मिलेगी।

मालिश करें : तेल को गर्म करके आप इससे गले के निचले हिस्से से लेकर पीछे तक अच्छी तरह मालिश कर सकते हैं।

खानपान रखें सही : स्वस्थ और पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें जो नसों को स्वस्थ रखते हैं। इसके अलावा हल्दी और शहद जैसे फूड्स खाएं जो एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होते हैं।

गैस, ब्लोटिंग और एसिडिटी की समस्या को दूर करेंगे यह उपाय

हम सभी ने कभी ना कभी पेट में गैस, सूजन और एसिडिटी आदि की समस्या का सामना किया है। यह आम गैस्ट्रिक समस्याएं हैं जिसके कारण व्यक्ति को दर्द, सीने में जलन व बेचैनी और पेट में दबाव आदि समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अधिकतर स्थितियों में लोग अपनी इस समस्या के इलाज के लिए दवाई का सेवन करते हैं। लेकिन बार-बार दवाई का सेवन करना भी उचित नहीं माना जाता है। पानन तंत्र से जुड़ी इस समस्या के निदान के लिए आप कुछ आसान घरेलू उपायों को अपना सकते हैं।



भोजन के बाद घूमने की आदत डालें

खाना खाने के बाद कुछ लोग एक ही जगह पर बैठे रहते हैं। जिससे गैस बन सकती है जिसके कारण आपको दर्द और परेशानी का सामना रना पड़ सकता है। इसलिए, बेहतर होगा कि आप खाने के बाद कुछ देर टहलने की आदत डालें। इससे आपके पेट में गैस नहीं बनेगी। यहां तक कि अगर आपको गैस महसूस हो रही है, तो ऐसा करने से आपको काफी राहत भी महसूस होगी।

आर्टिफिशियल स्वीटनर को करें अवॉयड

आर्टिफिशियल स्वीटनर का सेवन भी सूजन का कारण बन सकता है। खासतौर से, अगर आपको मधुमेह है तो इससे आपको गैस और सूजन हो सकती है। इससे लोगों को डकार, सूजन और सीने में दर्द भी हो सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप अपनी चाय-काफी या फिर किसी अन्य व्यंजन में आर्टिफिशियल स्वीटनर का इस्तेमाल करने से बचें।

रात में ना खाएं बीन्स

बीन्स और फलियां सेहत के लिए बेहद लाभकारी मानी गई हैं। लेकिन रात में इनका सेवन करने से आपको सूजन और पेट फूलने की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, रात में इनका सेवन ना करें। इतना ही नहीं, आप दाल, राजमा या फिर छोले का सेवन कर रहे हैं, तो ऐसे में उसे अच्छी तरह भिगोना आवश्यक है।

च्युइंग गम का ना करे इस्तेमाल

बहुत से लोग अपनी सांसों को तरोताजा रखने के लिए च्युइंग गम चबाते हैं। लेकिन इससे व्यक्ति को गैस होने की संभावना बढ़ जाती है। चूंकि आप इसे चबाते समय अधिक हवा निगलते हैं और आपको गैस व ब्लोटिंग की समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप च्युइंग गम चबाने की आदत को छोड़ दें।



मेघ

कोर्ट व कवहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। परिवार एवं समाज में आपके कामों को महत्व एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा। वाणी पर संयम आवश्यक है। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे।



वृष

कम प्रयास से काम बनेंगे। धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। परिवार से संबंध घनिष्ठ होंगे। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे। रुके धन की प्राप्ति में अड़चन आएगी। कम प्रयास से काम बनेंगे।



मिथुन

शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में सावधानी रखें। सुख के साधन जुटेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। अछूरे काम समय पर सफलता से होने पर उत्साह बढ़ेगा। वाहन चलते समय सावधानी रखें। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार से संबंध घनिष्ठ होंगे।



कर्क

चोट व रोग से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विवाद न करें। फालतू खर्च बढ़ेंगे। आवास संबंधी समस्या का समाधान संभव है। आवेश में कोई कार्य नहीं करें। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी। व्यापार अच्छा रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा।



सिंह

लेन-देन में सावधानी रखें। रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अनाकलन लाभ होगा। धन संबंधी कार्यों में विचल से विता हो सकती है। लाभदायक समाचार मिलेंगे। कार्य के विस्तार की योजना बनेगी। संत-समागम होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।



कन्या

शत्रु परास्त होंगे। पार्टी व फिजिकल का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी न कार्य में भाग लेने के योग हैं। विद्वानों के साथ रहने का अवसर मिलेगा। व्यापार में भागीदार सहयोग करेंगे। दुश्मन हानि पहुंचा सकते हैं।



तुला

मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अपने काम से काम रखें। दूसरों के विश्वास में न आएं। परिवार में तनावपूर्ण माहौल रह सकता है। धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।



वृश्चिक

दुश्मन हानि पहुंचा सकते हैं। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। आय बढ़ेगी। भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। स्थायी संपत्ति के मामले उलझे। कार्य में मित्रों की मदद मिलेगी। आर्थिक मनोबल बढ़ेगा। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें।



धनु

पुराना रोग उभर सकता है। बेबेनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी बाधा दूर होगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। कार्य में भागीदार सहयोग करेंगे। विकास की योजनाएं बनेंगी। दायर्य जीवन में गलतफहमी आ सकती है। आय बढ़ेगी। भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी।



मकर

घर-परिवार की चिंता रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जोखिम न लें। अनाकलन यात्रा के भी अच्छे फल मिलेंगे। आमदनी में वृद्धि होगी। प्रसिद्धि एवं सम्मान में इजाफा होगा। नौकरी में उन्नति के योग हैं। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।



कुंभ

घोरी, चोट व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टांलें। धनार्जन होगा। भागदौड़, बाधाओं व सतर्कता के बाद सफलता मिलेगी। पारिवारिक सुख, संतोष बढ़ेगा। उधार मिलने के योग हैं। अधिक व्यय न करें। खर्चों में कमी करें। स्थायी संपत्ति के मामले उलझे।



मीन

घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। लाभदायक सौदे होंगे। निपटारी परिस्थितियों का सफलता से सामना कर सकेंगे। जीवनसाथी से आर्थिक मारपीट हो सकते हैं। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।

अपहरण के मामले में 46 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

निसं

नोखा (नवयत्न)। पांचू पुलिस थाना क्षेत्र में युवती के अपहरण के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 46 वर्षीय आरोपी बिड़दराम को गिरफ्तार किया है। आरोपी को पहचान बिड़दराम पुत्र ईश्वरराम जाति जाट, निवासी तेलियासर-भाउला, थाना पांडू, जिला बीकानेर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

थानाधिकारी ईश्वर प्रसाद जागिड़ ने बताया की

परिवादी रामलाल निवासी तेलियासर-भादला ने 17 अक्टूबर 2026 को रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि 16 अक्टूबर को मध्यरात्रि के आसपास कई लोग एकत्रिय होकर उसके घर में घुस आए। परिवादी के साथ मारपीट और झगड़ा करते हुए जान से मारने की धमकियां दी गईं। रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले 10 अक्टूबर को भी कुछ आरोपी परिवादी की पुत्री को जबरन गाड़ी में डालकर ले गए थे। आरोपियों ने कथित तौर पर धमकी देते हुए कहा कि युवती उनके कब्जे में है और परिवादी उनसे जो हो सके कर ले। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस थाना पांडू में प्रकरण संख्या 277/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस टीम ने किया आरोपी को गिरफ्तार

पुलिस ने युवती का पता लगाकर उसे दस्तयाब किया और पिता को सुपुर्द किया। इसके बाद अपहरण के मामले में नामजद आरोपी बिड़दराम को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक बीकानेर रेंज ओमप्रकाश आईपीएसए जिला पुलिस अधीक्षक बीकानेर मृदुल कच्छवा आईपीएस तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बनवारीलाल मोणा के निर्देशन में की गई। नोखा वृत्त के पुलिस उप अधीक्षक जसनेल सिंह के निकट सुपरविजन में थाना अधिकारी ईश्वर प्रसाद पुनी के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। पुलिस टीम में संतोषनाथ सडिन, उमेद सडिन, धनाराम कानि, लीलाराम कानि और सोनू खिची कानि शामिल रहे। मामले में पुलिस की जांच जारी है।

दुर्गा दुर्गाष्टमी पर कन्याओं का पूजन कर लिया आशीर्वाद



निसं

तारानगर (नवयत्न)। जगन्नाथ कंदौई बालिका उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर तारानगर द्वारा संचालित माता शबरी सरस्वती संस्कार केन्द्र व काली बाई सरस्वती संस्कार केन्द्र, राष्ट्र सेविका समिति द्वारा संचालित अहिल्या बाई संस्कार की 61 कन्याओं का पूजन हमारे भामाशह ताराचंद्र गोयल व विष्मो गोयल द्वारा करवाया गया। सावित्री बाई फुले सरस्वती संस्कार केन्द्र विकास चाचाण, एसीबीईओ संजय कुमार शर्मा, श्रवण कुमार सवासगी, परीक्षित शर्मा, नरेश कुमार शर्मा के गृह पर बस्ती की 51 कन्याओं का पूजन किया गया व आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य दया कंवर, आचार्या शर्मिला शर्मा, मनीषा शर्मा चालक ज्योति कंवर, राजकुमार, सेविका सावित्री, सोनू नाई आदि उपस्थित रहे।

जगदम्बा नगर में आज सजेगा दशहरा महोत्सव, होगा भव्य रावण दहन



निसं

जयपुर (नवयत्न)। जगदम्बा नगर वेलफेयर सोसाइटी की ओर से मंगलवार को जगदम्बा सर्किल पर भव्य दशहरा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। शाम 6 बजे से शुरू होने वाले इस आयोजन में क्षेत्र का सबसे बड़ा रावण दहन, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और रंगीन आतिशबाजी मुख्य आकर्षण रहेंगे। आयोजन की लेकर क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है। आयोजन समिति में संरक्षक वी.पी. वशिष्ठ के अनुसार विजयदशमी के अवसर पर होने वाले इस महोत्सव का उद्देश्य बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश जन-जन तक पहुंचाना और क्षेत्रवासियों को आपसी भाईचारे तथा सामाजिक एकता के सूत्र में जोड़ना है। कार्यक्रम में भगवान राम के आदर्शों और भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। शाम को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और आतिशबाजी के बीच रावण दहन किया जाएगा। महोत्सव के आयोजन में विभिन्न संस्थाओं और प्रतिष्ठानों का सहयोग मिल रहा है। इनमें एचआई, स्कूल, नेशनल इफ्रा, वाईएएस ऑटोमोटिव, एल्केमिस्ट लैब ए बिजली यंत्र डॉट कॉम, महालक्ष्मी ट्रिम्बर, बीएनवीपी स्कूल, स्वीट रेड रोज, मॉर्डन हेरिटेज, न्यू जय श्री मेडिकल, एसएम आयुष हॉस्पिटल, मानस हॉस्पिटल, धारा एंटरप्राइजेज, डीएस ज्वैलर्स, संदीप ज्वैलर्स, श्री पी कंसल्टेंसी, सैलमोर और डिजाइन मार्ट सहित अन्य सहयोगी संस्थाएं शामिल हैं। आयोजन समिति में संरक्षक वी.पी. वशिष्ठ, अध्यक्ष महावीर सिंह तंवर, संयोजक शैलेश प्रधान, सह-संयोजक विशाल यादव, कार्यक्रम प्रभारी राम अवतार पालीवाल और मीडिया प्रभारी अनिल शर्मा सहित अन्य सदस्य व्यवस्थाओं में जुटे हैं।

नवरात्रि की दुर्गा अष्टमी व नवमी मनाई, कन्या पूजन करता कर कन्याओं को कराया भोज

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। नवरात्र की दुर्गाष्टमी और महानवमी का विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित। अष्टमी के दिन मां महागौरी की पूजा की एवहीं नवमी को मां सिद्धिदात्री की आराधना की है। मंदिरों में विशेष पूजा, दुर्गा पाठ, हवन और कन्या पूजन जैसे धार्मिक अनुष्ठान किए गए।श्रद्धालु मां दुर्गा के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते हुए परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की हैं। नवमी के दिन कन्याओं पूजन कर कन्याओं को भोजन कराया और उपहार देकर उनका सम्मान किया । नवरात्र के दौरान दशराम विशेष पूजा.अर्चना की गई । श्रद्धालु मंदिरों और देवी स्थलों पर पहुंचकर प्रज्वलित ज्योते के दर्शन कर और मां दुर्गा से सुख, शांति तथा समृद्धि की कामना कर की गई।

गरबा-डांडिया के रंगों से सजा डांडिया धमाल : नारी शक्ति का हुआ सम्मान

निसं

जयपुर (नवयत्न)। नवरात्र के अवसर पर मानसरोवर के सेक्टर-6 स्थित होरापथ सामुदायिक केंद्र में डांडिया धमाल का भव्य आयोजन किया गया। रंग-बिरंगे परिधानों, पारंपरिक गरबा-डांडिया, संगीत और उत्साह से सराबोर इस कार्यक्रम में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आयोजन में भारतीय संस्कृति, पारंपरिक श्रृंगार और नारी शक्ति के सम्मान को झलक देखने को मिली। कार्यक्रम का आयोजन नए सपने नई उड़ान की संस्थापक ज्योति शर्मा, जय जन्नी संस्थान की संस्थापक अन्नू गुप्ता एवं सह-संस्थापक अमिता शर्मा तथा कम ऑन डू इट सीओडीआई की संस्थापक शिवानी सिंह और बबीता के संयुक्त प्रयासों से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां अम्बे की आरती के साथ हुआ। इसके बाद प्रतिभागियों ने गरबा और डांडिया की धुनों पर नृत्य कर उत्सव का आनंद लिया। पारंपरिक वेशभूषा और आकर्षक श्रृंगार ने आयोजन में चार चांद लगा दिए।



आयोजकों ने बताया कि डांडिया धमाल का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की प्रतिभा को पहचानना, उनका सम्मान करना और उनके कौशल, रचनात्मकता तथा आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करने के लिए मंच उपलब्ध कराना था।

आयोजन के माध्यम से महिला सशक्तीकरण, भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में आरएएस अधिकारी पंकज

पुलिस अधिकारियों को दिया सकारात्मक व्यवहार और प्रभावी नेतृत्व का प्रशिक्षण

निसं

जयपुर (नवयत्न)। पुलिस और आम नागरिकों के बीच विश्वास मजबूत करने तथा पुलिस अधिकारियों में सकारात्मक दृष्टिकोण, प्रभावी संवाद और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से जयपुर में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। उदय पारीक एचआरडी रिसर्च फाउंडेशन, आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी, नेशनल एचआरडी नेटवर्क के जयपुर चैप्टर और क्लाउस ऑफर के संयुक्त तत्वावधान में पुलिसिंग में सकारात्मक व्यवहार विषय पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उद्घाटन सत्र में पुलिस सेवा में सकारात्मक व्यवहार, प्रभावी नेतृत्व, नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता और जनविश्वास के महत्व पर जोर दिया

बुराइयों के त्याग का संदेश है विजयादशमी : डॉ. गुर्जर



निसं

लाडनू (नवयत्न)। विजयादशमी के अवसर पर श्री बापूजी गुप ऑफ एजुकेशन लाडनू के छात्र-छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से समाज को दस बुराइयों का त्याग करने का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने अहंकार, क्रोध, झूठ, लालच, नशा, ईर्ष्या,

भेदभाव, आलस्य, हिंसा और मोबाइल को लत

जैसी बुराइयों को छोड़कर अच्छे संस्कार अपनाने का आह्वान किया। कॉलेज की चेयरपर्सन डॉ. ईशा गुर्जर ने कहा कि शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी आवश्यक है। संस्थान निदेशक डॉ. ओमप्रकाश गुर्जर ने कहा कि विजयादशमी हमें अपने भीतर की

अंतर महाविद्यालय नेटबॉल प्रतियोगिता में छात्राओं ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन



निसं

तारानगर (नवयत्न)। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर की ओर से एसजीएन गिल्स कॉलेज श्रीगंगानगर में आयोजित अंतर महाविद्यालय नेटबॉल प्रतियोगिता में राजकीय महिला महाविद्यालय तारानगर की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। खेल प्रभारी डॉ. रिंतु चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता में सभी छात्राओं मोनिका कुमारी, प्रियंका, पूजा, कंचन कंवर, मनीषा सैनी, जयश्री सैनी, साक्षी, कंचन ने खेल भावना, अनुशासन, टीम भावना, उत्कृष्ट कौशल का परिचय दिया। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य, समस्त संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने छात्राओं को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

निसं

जयपुर (नवयत्न)। आदर्श नगर स्थित एस.वी. पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। समारोह की थीम कलर्स ऑफ इंडिया रही। इसके तहत विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत और देशभक्ति की प्रस्तुतियों के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों की संस्कृति, लोककला और परंपराओं को मंच पर साकार किया। रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। समारोह के मुख्य अतिथि जयपुर नगर निगम के महापौर सुनील कोठारी रहे। विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स और पाइप बैंड ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर उनका स्वागत किया।

इसके बाद अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सेंट मीरा ब्रदरहुड सोसायटी के अध्यक्ष कमल वासवानी, सोसायटी एवं मीरा



गर्ल्स कॉलेज के सचिव डॉ. वाशदेव थावानी, सोसायटी के वित्त सचिव एवं साधु वासवानी उच्च माध्यमिक विद्यालय के सचिव रमेश गुरसहानी, संयुक्त सचिव अशोक देवानी तथा विद्यालय की प्राचार्या अल्पा मालविया ने मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया। स्वागत उद्घोधन में कमल वासवानी ने विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने, निरंतर परिश्रम करने और संवेदनशील नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय

हनुमान लाए संजीवनी, लक्ष्मण के लौटे प्राण य आज रावण दहन



संजय सोनी

झूंझनू (नवयत्न)। गांधी चौक में श्री रामलीला परिषद की ओर से आयोजित 70वीं रामलीला में लक्ष्मण और मेघनाद के बीच घनघोर युद्ध का मंचन किया गया। युद्ध के दौरान मेघनाद के शक्ति बाण से लक्ष्मण मूर्छित हो गए। लक्ष्मण को लंका के वैद्य सुषेण को बुलाया गया। वैद्य ने लक्ष्मण के प्राण बचाने के लिए हिमालय से संजीवनी बूटी लाने की बात कही। सूर्योदय से पहले संजीवनी बूटी लाना असंभव प्रतीत हो रहा था। ऐसे में हनुमान ने यह जिम्मेदारी संभाली। संजीवनी बूटी की पहचान नहीं होने पर वे पूरा पर्वत ही उठाकर ले आए। वैद्य सुषेण ने संजीवनी बूटी से लक्ष्मण का उपचार किया, जिससे उनके प्राण बच गए। इस प्रसंग का मंचन देखकर दर्शक भावविभोर हो उठे। श्री रामलीला परिषद के अध्यक्ष प्रमोद खंडेलिया ने बताया कि मंगलवार को सेठ मोतीलाल कॉलेज के खेल मैदान में 45 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी है।

लाडनूं में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक फुटबॉल की तरह एक-दूसरे को पास देकर आगे बढ़ने का दिलाया संकल्प

निसं

लाडनूं (नवयत्न)। आगामी मंडल एवं जिला परिषद चुनावों को लेकर भाजपा ने संगठनात्मक गतिविधियां तेज कर दी हैं। भाजपा के जिला पदाधिकारी लादूराम तेली और रंजीत सोडाला करणी निवास पहुंचे, जहां कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर चुनावी तैयारियों का फीडबैक लिया गया। इस दौरान जिला परिषद की पांच सीटों पर आवेदन करने वाले दावेदारों और 27 मंडलों के कार्यकर्ताओं से संबंधित फीडबैक भी लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए रणजीत सोडाला ने कहा कि लाडनूं की राजनीति कबड्डी का



खेल बन गई है, जहां कार्यकर्ता एक-दूसरे की टांग खींचने में लगे हैं। अब ऐसा नहीं चलेगा।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को फुटबॉल की तरह एक-दूसरे को पास देकर आगे बढ़ना चाहिए। तेली ने नगर पालिका

चुनाव में भाजपा की हार का उल्लेख करते हुए कहा कि विधानसभा में पार्टी की जीत और नगर पालिका में हार के कारणों पर आत्मसंयम जरूरी है। उन्होंने नागौर जिले में जातिवाद और आपसी खींचतान से बचने की

श्रीनगर में पीएम श्री विद्यालय के छात्र ने वृक्षों में जीता सिल्वर मेडल, राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया

राजस्थान का गौरव।

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, श्रीमाधोपुर के प्रतिभाशाली विद्यार्थी ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित वृक्षों खेल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीतकर विद्यालय, क्षेत्र एवं राजस्थान का नाम रोशन किया है। श्रीनगर में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय वृक्षों प्रतियोगिता की अंडर-17, 65 किलोग्राम भार वर्ग की स्पर्धा में विद्यार्थी ने फाइनल मुकाबले में मणिपुर के खिलाड़ी के साथ कड़ा मुकाबला किया और रजत पदक अपने नाम किया।

विद्यार्थी की इस उपलब्धि ने उसकी मेहनत, खेल कौशल, अनुशासन और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में खुशी की लहर है।

संस्था प्रधान एवं समस्त स्टाफ ने विद्यार्थी को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिवार ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थी की मेहनतए प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन तथा नियमित अभ्यास को दिया।यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गर्व का विषय है और अन्य विद्यार्थियों के लिए खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रेरणा है।

ने विद्यार्थी को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिवार ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थी की मेहनतए प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन तथा नियमित अभ्यास को दिया।यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गर्व का विषय है और अन्य विद्यार्थियों के लिए खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रेरणा है।

कश्मीरी से राजस्थानी लोकनृत्यों तक दिखी भारतीय संस्कृति की विविधता

प्राचार्या अल्पा मालविया ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर विद्यालय की वर्षभर की प्रमुख गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। इसके बाद गीत और स्वागत नृत्य की प्रस्तुतियां दी गईं। विद्यार्थियों ने कश्मीरी, सिंधी, शास्त्रीय, गुजराती गरबा, बंगाली, राजस्थानी घूमर और पंजाबी नृत्यों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता को जीवंत किया। देशभक्ति से ओतप्रोत चक दे इंडिया की प्रस्तुति ने दर्शकों में जोश भर दिया। कार्यक्रम का समापन भव्य ग्रैंड फिनाले के साथ हुआ। अंत में उप-प्राचार्या मोतू टिक्कू ने अतिथियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में विद्यार्थियों की प्रतिभा, भारतीय संस्कृति की विविधता और विद्यालय की उपलब्धियों का सुंदर संगम देखने को मिला।



विजय का पर्व, मर्यादा का संदेश

दशहरा सिखाता है कि सच्ची जीत शक्ति के साथ संयम और सदाचार से मिलती है

दशहरा केवल रावण के पुतले के दहन और उत्सव की चहल-पहल का पर्व नहीं है। यह जीवन में सत्य, साहस और मर्यादा के महत्व को समझने का अवसर भी है। भगवान श्रीराम की विजय हमें विश्वास दिलाती है कि कठिनाइयाँ कितनी भी बड़ी क्यों न हों, सही रास्ते पर चलने का संकल्प व्यर्थ नहीं जाता। अन्याय कुछ समय के लिए शक्तिशाली दिखाई दे सकता है, लेकिन उससे संघर्ष करने का साहस ही बदलाव की शुरुआत करता है। रामकथा में श्रीराम का चरित्र विजय से पहले कर्तव्य का पाठ पढ़ाता है। उनके जीवन में परिवार के प्रति जिम्मेदारी,

संबंधों के प्रति सम्मान और समाज के प्रति उत्तरदायित्व साथ-साथ दिखाई देते हैं। वनवास की कठिन परिस्थितियों में भी उनका धैर्य और सहयोगियों के प्रति विश्वास बना रहता है। यह संदेश आज भी उपयोगी है कि नेतृत्व केवल आदेश देने से नहीं, सबको साथ लेकर चलने से सार्थक होता है।

आज सफलता की दौड़ में कई बार साधनों की शुद्धता पीछे छूट जाती है। आगे बढ़ने की इच्छा स्वाभाविक है, लेकिन उसके लिए छल, अन्याय या किसी के अधिकारों का हनन स्वीकार नहीं किया जा

सकता। दशहरा याद दिलाता है कि उपलब्धि का मूल्य इस बात से भी तय होता है कि उसे प्राप्त कैसे किया गया।

इस पर्व पर हमें अपने व्यवहार की ओर भी देखना चाहिए। क्या हम कमजोर व्यक्ति की बात सुनते हैं? क्या गलती होने पर उसे स्वीकार करते हैं? क्या दूसरों के सम्मान का ध्यान रखते हैं? इन छोटे प्रश्नों के ईमानदार उत्तर ही जीवन में बड़े परिवर्तन ला सकते हैं। विजयादशमी का संदेश तभी सार्थक होगा, जब उत्सव की रोशनी हमारे आचरण में भी दिखाई देगी।

विजयादशमी केवल भगवान राम की विजय का उत्सव नहीं, बल्कि सत्य, साहस, मर्यादा और न्याय को जीवन में उतारने की प्रेरणा है। यह पर्व हर वर्ष हमें याद दिलाता है कि बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न दिखाई दे, उसका सामना करने के लिए सद्बिचार के साथ सद्कर्म भी आवश्यक है। भारतीय संस्कृति में त्योहार केवल उत्सव मनाने के अवसर नहीं हैं। वे जीवन की समझने, संबंधों को मजबूत करने और समाज को सही दिशा देने वाले संदेश भी लेकर आते हैं। इन्हीं पर्वों में दशहरे का विशेष स्थान है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी को मनाया जाने वाला यह त्योहार विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है। नवरात्र के साधना और शक्ति आराधना से भरे दिनों के बाद आने वाला दशहरा मनुष्य को अपने जीवन की दिशा पर विचार करने का अवसर देता है। मैदानों में खड़े रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के विशाल पुतले, रामलीलाओं के मंचन और उल्लास से भरे मेले इस पर्व का दृश्य स्वरूप हैं, लेकिन इसका वास्तविक संदेश इन आयोजनों से कहीं व्यापक है। दशहरा हमें बताता है कि अन्याय के सामने चुप रहना समाधान नहीं है। सत्य की राह कठिन हो सकती है, उस पर चलने वाले को अनेक परीक्षाओं से गुजरना पड़ सकता है, फिर भी धैर्य, साहस और सही आचरण से परिवर्तन संभव है। भगवान राम की विजय इसी विश्वास को मजबूत करती है। यह विजय केवल युद्धभूमि में मिली सफलता नहीं, बल्कि उस जीवनदृष्टि की प्रतिष्ठा है जिसमें शक्ति का उपयोग संरक्षण के लिए होता है, संबंधों का आधार विश्वास होता है और नेतृत्व का उद्देश्य लोककल्याण होता है।

दशहरा : पुतलों के साथ भीतर की बुराइयों के दहन का संकल्प

राम का आदर्श : कठिन परिस्थितियों में भी मर्यादा

रामकथा में भगवान राम का व्यक्तित्व अनेक रूपों में सामने आता है। वे पुत्र हैं, भाई हैं, पति हैं, मित्र हैं और नेतृत्व करने वाले नायक भी हैं। हर भूमिका में उन्हें कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। राजमहल से वन तक की यात्रा, प्रियजनों से वियोग और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष उनके जीवन को परीक्षाओं से भर देते हैं। फिर भी उनके चरित्र से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण शब्द ‘मर्यादा’ है। यही मर्यादा उनके आचरण को व्यक्तिगत इच्छाओं से ऊपर उठाकर कर्तव्य और उत्तरदायित्व से जोड़ती है। आज के जीवन में भी इस आदर्श की उपयोगिता कम नहीं हुई है। सुविधा के समय सिद्धांतों की बात करना सरल होता है, लेकिन वास्तविक परीक्षा तब होती है जब सही रास्ता चुनने से अपना नुकसान दिखाई देता हो। किसी कर्मचारी के लिए अनुचित दबाव के बीच ईमानदार बने रहना, किसी व्यापारी के लिए अधिक लाभ के आकर्षण के बावजूद ग्राहक के साथ न्याय करना और किसी जिम्मेदार व्यक्ति के लिए अपने परिचित की गलती पर भी निष्पक्ष निर्णय लेना मर्यादा के व्यावहारिक रूप हैं। दशहरा हमें इन्हीं छोटी और बड़ी परिस्थितियों में अपने आचरण को परखने की प्रेरणा देता है। मर्यादा का अर्थ केवल नियमों का पालन करना भी नहीं है। इसमें दूसरों के सम्मान का ध्यान रखना, अपनी शक्ति की सीमाओं को समझना और अपने निर्णयों के परिणामों की जिम्मेदारी स्वीकार करना शामिल है। व्यक्ति की वास्तविक पहचान उसके पद, धन या प्रभाव से अधिक इस बात से होती है कि वह कमजोर व्यक्ति के साथ कैसा व्यवहार करता है।

रावण का पतन और अहंकार का संकट

परंपरागत रामकथा में रावण को विद्वान, पराक्रमी और संपन्न शासक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। उसके पास शक्ति थी, साधन थे और ज्ञान भी था, लेकिन ये सभी गुण उसे पतन से नहीं बचा सके। इसका प्रमुख कारण उसका अहंकार और अन्याय पर अड़े रहने का स्वभाव था। उसने अपनी सामर्थ्य को दूसरों की स्वतंत्रता और सम्मान से ऊपर मान लिया। उचित सलाह स्वीकार करने के बजाय वह अपने निर्णय को ही अंतिम सत्य समझने लगा। रावण का चरित्र इस बात की चेतावनी है कि ज्ञान और विवेक एक ही चीज नहीं हैं। बहुत कुछ जानने वाला व्यक्ति भी गलत आचरण कर सकता है, यदि उसमें आत्मसंयम और अपनी गलती स्वीकार करने का साहस न हो। इसी प्रकार अधिकार मिल जाने से कोई व्यक्ति अपने आप न्यायप्रिय नहीं बन जाता। अधिकार के साथ विनम्रता और जवाबदेही का होना आवश्यक है।

अहंकार का सबसे बड़ा संकट यह है कि वह व्यक्ति को अपनी भूल दिखाई नहीं देने देता। वह असहमति को शत्रुता और सुधार की सलाह को अपमान समझने लगता है। धीरे-धीरे उसके आसपास ऐसे लोग रह जाते हैं जो उसे केवल वही सुनाते हैं जो वह सुनना चाहता है। परिवार, संस्था या समाज—हर जगह यह प्रवृत्ति नुकसान पहुंचा सकती है। दशहरा हमें सिखाता है कि समय रहते गलती मान लेना कमजोरी नहीं, बल्कि बड़े संकट से बचने का विवेक है।

विजय का आधार सहयोग और विश्वास

रामकथा की एक महत्वपूर्ण सीख यह भी है कि बड़ा संघर्ष केवल व्यक्तिगत सामर्थ्य से नहीं जीता जाता। उसमें सहयोग, संगठन, विश्वास और अलग-अलग क्षमताओं का योगदान होता है। भगवान राम के साथ लक्ष्मण का समर्पण, हनुमान की निष्ठा, सुग्रीव का सहयोग, जामवंत का मार्गदर्शन और वानर सेना का सामूहिक प्रयास जुड़ा हुआ है। यह कथा बताती है कि उद्देश्य साझा हो तो विविध क्षमताएं मिलकर असंभव दिखाई देने वाले कार्य को भी संभव बना सकती हैं। आज समाज के सामने मौजूद अनेक समस्याएं भी सामूहिक प्रयास मांगती हैं। किसी मोहल्ले की सफाई, विद्यालय की व्यवस्था, जलस्रोत का संरक्षण या जरूरतमंद परिवार की सहायता—इनमें सफलता तभी मिलती है जब लोग केवल शिकायत करने के बजाय अपनी भूमिका भी स्वीकार करें। एक व्यक्ति पहल कर सकता है, लेकिन उस पहल को स्थायी परिणाम तक पहुंचाने के लिए दूसरों का साथ जरूरी होता है। नेतृत्व का वास्तविक अर्थ भी यहीं स्पष्ट होता है। अच्छा नेतृत्व केवल आदेश नहीं देता, वह लोगों की क्षमता पहचानता है और उन्हें जिम्मेदारी निभाने का अवसर देता है। वह अपने सहयोगियों का सम्मान करता है तथा सफलता का श्रेय अकेले लेने के बजाय उसे साझा करता है। दशहरा का संदेश व्यक्तिगत विजय से आगे बढ़कर सामूहिक भलाई की ओर ले जाता है।

शक्ति के साथ करुणा का संदेश

विजयादशमी का संबंध देवी दुर्गा की महिषासुर पर विजय की धार्मिक परंपरा से भी जुड़ा है। इस रूप में यह पर्व अन्याय के विनाश और सुजनशील शक्ति की प्रतिष्ठा का प्रतीक है। नवरात्र में देवी की आराधना और उसके बाद विजयादशमी का उत्सव हमें याद दिलाता है कि शक्ति का मूल्य उसके सही उपयोग में है। ऐसी शक्ति सार्थक है जो भय पैदा करने के बजाय सुरक्षा दे, शोषण के बजाय सम्मान सुनिश्चित करे और कमजोर को दबाने के बजाय उसका सहारा बने। देवी की उपासना का भाव दैनिक जीवन में स्त्रियों के सम्मान से भी जुड़ना चाहिए। घर में बेटों की बात सुनी जाए, उसकी शिक्षा को महत्व मिले, उसे अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेने का अवसर मिले और कार्यस्थल पर उसके साथ गरिमापूर्ण व्यवहार हो—ये सभी उस सम्मान के वास्तविक रूप हैं। पूजा का भाव तब और गहरा होता है जब वह व्यवहार में दिखाई देता है। इसी प्रकार बच्चों, बुजुर्गों, वियांगजनों और सहायता की जरूरत रखने वाले लोगों के प्रति संवेदनशीलता भी शक्ति के सही उपयोग का परिचय है। जिसके पास अधिक साधन हैं, उसकी जिम्मेदारी भी अधिक है। दशहरा हमें अधिकार के साथ दायित्व और सामर्थ्य के साथ करुणा को जोड़ने की सीख देता है।

अहंकार की अग्नि में जलता विवेक

रावण की कथा बताती है कि ज्ञान और सामर्थ्य को विनम्रता का साथ क्यों चाहिए

रावण का पुतला हर वर्ष जलता है, लेकिन उससे जुड़ा प्रश्न हर बार नया होकर सामने आता है—इतना ज्ञान और सामर्थ्य होने के बाद भी उसका पतन क्यों हुआ? रामकथा की प्रचलित परंपरा में रावण की विद्वान और शक्तिशाली बताया गया है। इसके बावजूद उसका अहंकार उसे सही और गलत के बीच का अंतर स्वीकार नहीं करने देता। यही विरोधाभास उसके चरित्र की सबसे बड़ी सीख है।

ज्ञान मनुष्य को दिशा दे सकता है, लेकिन तभी, जब वह उसे अपने आचरण में उतारे। अपनी इच्छा को सर्वोपरि मानना और दूसरों की गरिमा की उपेक्षा करना अंततः विनाश का कारण बनता है। रावण की कथा बताती है कि योग्यता किसी को गलत काम करने का अधिकार नहीं देती। पद, प्रतिष्ठा और शक्ति के साथ उत्तरदायित्व भी बढ़ता है।

अहंकार की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वह व्यक्ति को अपनी गलती देखने नहीं देता। उसे सलाह विरोध लगने लगती है और असहमति अपमान महसूस होती है। धीरे-धीरे उसके आसपास संवाद की जगह चुप्पी ले लेती है। जब निर्णय केवल अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने के लिए किए जाने लगें, तब विवेक पीछे छूट जाता है।

यह स्थिति केवल कथाओं तक सीमित नहीं है। परिवार, कार्यस्थल और सार्वजनिक जीवन में भी अपनी बात को अंतिम मान लेने से संबंध बिगड़ते हैं। दूसरों को सुनना, आवश्यक होने पर निर्णय बदलना और गलती पर क्षमा मांगना कमजोरी नहीं, परिपक्वता है।

दशहरे पर रावण-दहन देखते समय अपने भीतर के अहंकार को पहचानने का प्रयास भी होना चाहिए। हम हर बात में जीतने की जिद छोड़कर सही बात स्वीकार करना सीखें। ज्ञान के साथ विनम्रता और शक्ति के साथ संवेदनशीलता जुड़ जाए, तो जीवन की अनेक लड़ाइयाँ बिना किसी को पराजित किए जीती जा सकती हैं।

उत्सव से आगे बढ़े अच्छाई का संकल्प

सामाजिक जिम्मेदारी और आपसी सद्भाव से सार्थक बने विजयादशमी

दशहरे की शाम मैदानों में उमड़ती भीड़, रामलीला के दृश्य और परिवारों का उत्साह एक साझा सांस्कृतिक अनुभव रचते हैं। बच्चे कहानी के पात्रों को जीवंत होते देखते हैं और बड़े अपनी बचपन की स्मृतियों से जुड़ते हैं। ऐसे उत्सव समाज को मिलने, संवाद करने और परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का अवसर देते हैं।

परंपरा तभी अधिक अर्थपूर्ण बनती है, जब उसका संदेश वर्तमान जीवन से जुड़े। बुराई पर अच्छाई की विजय का संकल्प हमारे आसपास की समस्याओं के प्रति जिम्मेदारी में भी दिखाई देना चाहिए। भेदभाव, बेईमानी, अपमानजनक व्यवहार और सार्वजनिक संपत्ति के प्रति लापरवाही जैसी प्रवृत्तियों को बदलने के लिए किसी बड़े अवसर की प्रतीक्षा आवश्यक नहीं है। शुरुआत अपने घर, मोहल्ले और कार्यस्थल से की जा सकती है। बच्चों को दशहरे का अर्थ समझाने के लिए केवल राम और रावण की कहानी सुनाना पर्याप्त नहीं। उन्हें यह भी बताना होगा कि रोजमर्रा के जीवन में अच्छाई कैसी दिखाई देती है। किसी सहायता की मदद करना, झूठ बोलकर लाभ न उठाना, किसी का उपहास न करना और अपनी गलती स्वीकार करना उसी सीख के छोटे रूप हैं। बच्चे इन बातों को उपदेश से अधिक बड़ों के व्यवहार से सीखते हैं।



21 अक्टूबर को मनाया जाएगा पुलिस शहीद दिवस

निस

जयपुर (नवयत्न)। कर्तव्य निर्वहन के दौरान प्राण न्योछावर करने वाले पुलिसकर्मियों की स्मृति में 21 अक्टूबर को पुलिस शहीद दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर जयपुर स्थित राजस्थान पुलिस अकादमी आरपीए के शहीद स्मारक और त्रिमूर्ति सर्किल स्थित पुलिस स्मारक पर मुख्य समारोह होंगे। प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों पर भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि इस वर्ष 1 सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 तक देश और समाज की रक्षा करते हुए शहीद हुए पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। पुलिस शहीद दिवस 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के दुर्गम क्षेत्र में मातृभूमि की रक्षा करते हुए शहीद हुए भारतीय पुलिस के जवानों के बलिदान की स्मृति में मनाया जाता है।

सुबह 8 बजे होगा मुख्य समारोह

जयपुर में सुबह 8 बजे आरपीए के शहीद स्मारक पर मुख्य समारोह होगा। डीजीपी शर्मा गार्ड ऑफऑनर के साथ शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और संबोधित करेंगे। परेड में जयपुर आयुक्तालय, चतुर्थी बटालियन और पांचवीं बटालियन आरएसी की एक-एक प्लाटून शामिल होगी। समारोह में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी, संयुक्त निदेशक आईबी, पुलिस अधीक्षक एनआई, और जयपुर के आईपीएस व आरपीएस अधिकारी शामिल होंगे। इसके बाद जवाहरलाल नेहरू मार्ग स्थित त्रिमूर्ति सर्किल के पुलिस स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी जाएगी।

प्रदेशभर में होंगे सेवा कार्य

समारोह के बाद आरपी, और जिला पुलिस लाइनों में स्वेच्छिक रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे। पुलिस कार्यालयों में साफसफाई और पुलिस लाइनों में वृक्षारोपण किया जाएगा। जयपुर जिले में शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों से पौधारोपण करवाकर पौधे पर शहीद के नाम की तख्ती लगाई जाएगी। प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर पुलिस लाइन या आरपीए स्मारक में कार्यक्रम होंगे। रैंज मुख्यालयों पर संबंधित आईजी या डीआईजी और अन्य जिला मुख्यालयों पर पुलिस अधीक्षक सलामी देंगे। कार्यक्रमों में आरएसी, प्रशिक्षण केंद्रों, जोन कार्यालयों और अन्य पुलिस इकाइयों के जवान शामिल होंगे। संबंधित जिलों के शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

शक्ति बाण से मूर्छित हुए लक्ष्मण, हनुमान ने बचाए प्राण



हर्ष सोनी

झुंझुनूं (नवयत्न)। भारतीय कला मंदिर संस्थान की ओर से शहर के चूणा चौक पार्क में आयोजित आदर्श रामलीला में राम-रावण युद्ध, लक्ष्मण मूर्छा, संजीवनी बूटी और कुंभकर्ण वध की लीलाओं का मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने सजीव अभिनय से दर्शकों को रामायण के प्रसंगों से रूबरू कराया। लीला में भगवान राम के दूत बनकर बाली पुत्र अंगद रावण के दरबार में पहुंचे। अंगद ने रावण को माता सीता को सम्मानपूर्वक श्रीराम को लौटाने और युद्ध टालने के लिए समझाने का प्रयास कियाए लेकिन रावण अपने अहंकार के चलते नहीं माना। इसके बाद श्रीराम और रावण की सेनाओं के बीच युद्ध शुरू हो गया। युद्ध के दौरान रावण के पुत्र मेघनाद ने शक्ति बाण का प्रहार कर लक्ष्मण को मूर्छित कर दिया। लक्ष्मण को मूर्छित देखकर श्रीराम चिंतित हो गए। उनके प्राण बचाने के लिए वैद सुषेण ने संजीवनी बूटी ही उपचार बताया। हनुमान संजीवनी बूटी लाने हिमालय के लिए रवाना हुए और वहां पहुंचकर संजीवनी बूटी की पहचान नहीं होने पर हनुमान पूरा पर्वत ही उठाकर ले आए। वैद सुषेण ने संजीवनी बूटी से किया उपचार जिससे लक्ष्मण के प्राण बच गए। इसके बाद राम की सेना में उत्साह का संचार हुआ। रामलीला में आगे कुंभकर्ण वध की लीला का मंचन किया गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। संस्थान के अध्यक्ष विनोद सिंघानिया ने बताया कि रामलीला के नौवें दिन विभिन्न कलाकारों ने अपनी भूमिकाओं से प्रसंगों को जीवंत किया। नवीन स्वामी ने श्रीराम, निकुंज चोटिया ने लक्ष्मण, अनिल चोटिया ने रावण, सुनील सैनी ने हनुमान, प्रवीण शर्मा ने विभीषण तथा संदीप वालिया ने मेघनाद का अभिनय किया।

52 पुलिस निरीक्षकों को राजस्थान पुलिस सेवा की कनिष्ठ वेटन श्रृंखला में पदोन्नति

निस

जयपुर (नवयत्न)। पुलिस कल्याण की दिशा में नियमित पदोन्नति की दृष्टि से पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की पहल पर किए जा रहे प्रयास रंग ला रहे हैं। इसी श्रृंखला में नवरात्रि की दुर्गाष्टमी पर राज्य सरकार ने राजस्थान पुलिस सेवा की कनिष्ठ वेटन श्रृंखला में वर्ष 2026-27 की रिक्तियों के विरुद्ध 52 पुलिस निरीक्षकों को पदोन्नत किया है। राजस्थान पुलिस सेवा नियम, 1954 के नियम 28 के अंतर्गत गठित नियमित विभागीय पदोन्नति समिति की 18 सितंबर 2026 की बैठक की अधिशंशाओं के आधार पर वरिष्ठता-सह-योग्यता के अनुसार यह पदोन्नति दी गई है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने पदोन्नत सभी अधिकारियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि पदोन्नति के बाद ये अधिकारी बड़ी हुई जिम्मेदारी के साथ पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण से कार्य करते हुए राजस्थान पुलिस की छवि को और मजबूत करेंगे तथा आमजन की सुरक्षा व सेवा के लिए तत्पर रहेंगे। संयुक्त शासन सचिव पुलिस मनोष गोयल के जारी आदेश के अनुसार पदोन्नत होने वाले अधिकारियों में चम्पाराम बारड, रामनिवास मीणा, बृजेश कुमार मीणा, रामखिलाडी मीणा, धर्मवीर सिंह मीणा, बृजेश कुमार निगम, भंवर लाल वैष्णव, शम्बीर खान, श्याम सिंह चारण, मनोज कुमार सोनी, रमेश खिड़िया, संजय चौहान, राकेश कुमार खटीक, राज कुमार सामरिया, कर्ण सिंह राठौड़, देवेश भारद्वाज, रणजीत सिंह, अनिल कुमार मूण्ड, लाखन सिंह खटना, चैनाराम वेड़ा, राधाराम गुला, गंगाराम, चक्रवर्ती सिंह, दर्शन सिंह राठौड़, सुरेन्द्र सिंह, अनिल कुमार विश्‍नोई, महेश श्रीमाली, रविन्द्र चारण, सुधीर कुमार उपाध्याय, संजय गोदारा, जोगेन्द्र सिंह चौधरी, भंवर सिंह, धीरज वर्मा और अनिल कुमार जैमनी शामिल हैं। इसके साथ ही कुण्ठ कुमार, घनश्याम सिंह देवड़ा, महावीर सिंह, कमलेश कुमार वर्मा, सुभाष चन्द्र, करण सिंह, सज्जन सिंह कविया, वीरेन्द्र सिंह, महेन्द्र दत्त शर्मा, नवीन खण्डेलवाल, गजेन्द्र सिंह राठौड़, सुमेश सिंह गुर्जर, प्रेमेश कुमार रावत, मांगीलाल डोंगी, अभिषेक पारीक, हरिपाल सिंह, विजय कुमार राय और सत्येन्द्र कुमार को भी पदोन्नति मिली है। आदेश के अनुसार यह पदोन्नति माननीय न्यायालयों में लंबित सभी प्रकरणों के अंतिम निर्णय के अधीन है। पदोन्नत अधिकारी अग्रिम आदेशों तक वर्तमान पद पर यथावत कार्य करते रहेंगे।

राखी बांधकर महिलाओं ने दिलाया हेलमेट पहनने का संकल्प, बालिका की पढ़ाई की जिम्मेदारी भी उठाई

स्त्री शक्ति महिला संस्थान का नवरात्र पर 9 दिवसीय जागरूकता अभियान, पोस्टर प्रतियोगिता और आत्मरक्षा प्रशिक्षण से भी किया जागरूक

अशोक राईका

झुंझुनूं (नवयत्न)। नवरात्र के अवसर पर स्त्री शक्ति महिला संस्थान की ओर से इस बार डांडिया महोत्सव के बजाय 9 दिवसीय सामाजिक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत महिला सुरक्षा, कन्या शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पोरुसिंह सर्किल पर हेलमेट वितरण कार्यक्रम हुआ। यहां महिलाओं ने बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों की कलाई पर राखी बांधकर उन्हें हेलमेट पहनने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में शहर कोतवाल श्रवण मील मौजूद रहे। महिलाओं ने वाहन चालकों को समझाया कि हेलमेट केवल

यातायात नियमों के पालन के लिए नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा के लिए जरूरी है। परिवार की खातिर सुरक्षित घर लौटना हर वाहन चालक की जिम्मेदारी है। इस दौरान हेलमेट भी वितरित किए गए। हेलमेट वितरण कार्यक्रम में ललित राठौड़, रविता झाझड़िया, शाहीन खान, सुमन मील, मंजू कुमावत, सुलक्षणा राठौड़, सरोज बड़ाऊ, सुनीता चौधरी, ज्योति मांजू, अंजू शर्मा, शशि नूनियां और शशि मारोलिया मौजूद रही।

बालिका की पढ़ाई की जिम्मेदारी उठाई

15 अक्टूबर को संस्थान ने मारोलिया मेशन में एक बालिका को शैक्षणिक रूप से गोद लेकर उसकी पढ़ाई में सहयोग करने का संकल्प लिया। संस्थान की ओर से बालिका के आत्मनिर्भर बनने तक



शिक्षा में मदद की जाएगी, ताकि आर्थिक कठिनाइयों के कारण उसकी पढ़ाई नहीं रुके।

बालिकाओं को सिखाए आत्मरक्षा के गुर

16 अक्टूबर को राजस्थान शिक्षण संस्थान में बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। प्रशिक्षक संगीता योगी ने व्यायाम

और आत्मरक्षा के तरीके बताए। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास आत्मरक्षा का सबसे बड़ा आधार है। डॉ. शशि मारोलिया और ललिता राठौर ने बालिकाओं को विपरीत परिस्थितियों में हिम्मत से काम लेने और अपनी परेशानी अभिभावकों से साझा करने के लिए प्रेरित किया। संस्थान की टीम ने बालिकाओं को फल भी वितरित किए।



पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिता से दिया नारी शक्ति का संदेश
14 अक्टूबर को राजकीय कस्त्रबा गांधी बालिका विद्यालय में पोस्टर मेकिंग और स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिताएं हुईं। पोस्टर का विषय ‘नारी-शक्ति का प्रतीक’ और स्लोगन का विषय ‘जगत जननी’ रखा गया। छात्राओं ने महिला सम्मान और सशक्तिकरण पर संदेश दिए। विजेताओं को स्कूल बैग और अन्य प्रतिभागियों को लॉच बॉक्स दिए गए।

दुर्गा महोत्सव में महिलाओं ने डांडिया-गरबा कर बांधा समां



विपुल पारीक

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। केसीसी के थर्ड सेक्टर स्थित हनुमान मंदिर में श्री हनुमान सेवा समिति के तत्वावधान में चल रहे दुर्गा महोत्सव के तहत डांडिया-गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें स्थानीय महिलाओं ने बड़-चढ़कर भाग लिया और गरबा कर उत्सव का आनंद लिया। पंडित सुभाष शर्मा ने बताया कि मंदिर परिसर में द्वितीय दुर्गा पूजा महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत दो दिवसीय डांडिया महोत्सव का रविवार देर शाम समापन हुआ। कार्यक्रम में महिलाओं ने डांडिया और गरबा कर माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर महेश सिंघानिया, घीसाराम अग्रवाल, अभयसिंह, प्रहलाद सहाय, आयुष, केपी भार्गव, ओमप्रकाश स्वामी, टिक्रम अग्रवाल, घीसाराम शर्मा, रघुवीर शर्मा, लक्ष्मी टांक, उमा शर्मा, काजल सैनी, रेखा सैनी और पान कंवर सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

किड़नी ट्रांसप्लांट के बाद भी नहीं रुका भवानी सिंह का सफर, हांगकांग में जीते 8 पदक

संजय सोनी

झुंझुनूं (नवयत्न)। हांगकांग में 16 से 19 अक्टूबर तक आयोजित छठे हांगकांग ट्रांसप्लांट गेम्स में झुंझुनूं जिले के जाखल निवासी भवानी सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रतियोगिता में 5 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य सहित कुल 8 पदक जीतकर देश और जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में हांगकांग के अलावा भारत, चीन, थाईलैंड, मलेशिया और जापान के खिलाड़ियों ने भाग लिया। भवानी सिंह ने प्रतियोगिता की शुरुआत लॉन बॉल के व्यक्तिगत मुकाबले में स्वर्ण पदक जीतकर ही। इसके बाद बोलिंग, पेटांक और एथलेटिक्स की विभिन्न स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने कुल 8 पदक अपने नाम

किए। भारत की ओर से भवानी सिंह के साथ अमित शर्मा, पंकज और उमेश धवलीकर ने भी विभिन्न स्पर्धाओं में देश का प्रतिनिधित्व किया।

किडनी ट्रांसप्लांट के बाद भी नहीं मानी हार

भवानी सिंह की सफलता संघर्ष और मजबूत हौसले की मिसाल है। बचपन से ही उन्हें शारीरिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कम उम्र में किडनी ट्रांसप्लांट होने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। निरंतर मेहनत, दृढ़ इच्छाशक्ति और खेल के प्रति जुनून के दम पर वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। उनका सफर युवाओं को विपरीत परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

विष्णु नाट्य परिषद में अक्षय कुमार वध लीला का मंचन, रामलीला देखने उमड़ी भीड़

विनोद प्रजापति

बिसाऊ (नवयत्न)। विष्णु नाट्य परिषद की रामलीला में आठवें दिन अक्षय कुमार वध लीला का मंचन किया गया। धार्मिक प्रसंगों को देखने के लिए महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों सहित बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे। पूरे आयोजन के दौरान माहौल भक्तिमय बना रहा। रामलीला में मेघनाद की भूमिका बाबू नोल, रावण की भूमिका जुगल केसोर ढंडारिया, विभीषण की भूमिका रोहित प्रजापत और अक्षय कुमार की भूमिका मनीष नाही ने निभाई। कलाकारों ने अपने अभिनय से प्रसंग

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। दांता कस्बे में सामाजिक सरोकारों और पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता को मिसाल पेश करते हुए दांता निवासी एवं कोलकाता प्रवासी भामाशाह बनवारी लाल मित्तल ने अपनी माता स्वर्गीय गोमती देवी मित्तल की पुण्य स्मृति में श्री गोपाल गौशाला दांता में पक्षी घर का निर्माण करवाया है। पक्षियों को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से की गई यह पहल प्रकृति संरक्षण और पक्षियों की सेवा की दिशा में सराहनीय कदम है।

यह पक्षी घर स्वर्गीय गोमती देवी मित्तल, पत्नी स्वर्गीय सांवरमल मित्तल की स्मृति को समर्पित है। इसका निर्माण बनवारी लाल मित्तल ने अपनी पुत्रवधू आभा देवी मित्तल एवं सुपौत्र कृष्णा मित्तल के सहयोग से करवाया है। पक्षी घर का उद्घाटन 21 अक्टूबर को मित्तल परिवार द्वारा किया जाएगा। भामाशाह प्रेरक घीसालाल छीपा ने बताया कि बनवारी लाल मित्तल लंबे समय से दांता क्षेत्र में सामाजिक एवं जनहित के कार्यों में अपना योगदान देते आ रहे हैं। इससे पूर्व भी वे



दिन भी दर्शकों की भारी भीड़ जुटी। आयोजन में लोगों की भागीदारी ने रामलीला के प्रति उनकी आस्था और उत्साह को दर्शाया।

कस्बे की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं में विकास कार्य करवा चुके हैं। उनके द्वारा किए जा रहे कार्य समाजसेवा, जनकल्याण और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति समर्पण को दर्शाते हैं। माता की पुण्य स्मृति में पक्षी घर का निर्माण करवाकर मित्तल परिवार ने दिवंगत गोमती देवी मित्तल की स्मृतियों को संजोने के साथ ही पक्षियों के संरक्षण और जीव मात्र के प्रति दया एवं सेवा भावना का संदेश दिया है। उनकी इस पहल की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।



बीकानेर में प्रथम जिला यूथ जिम्नास्टिक प्रतियोगिता कल



निर्स

बीकानेर (नवयत्न)। जिला जिम्नास्टिक संघ, बीकानेर के तत्वावधान में प्रथम जिला यूथ जिम्नास्टिक प्रतियोगिता का आयोजन 20 अक्टूबर 2026 को सादुल स्पोर्ट्स स्कूल, बीकानेर में किया जाएगा। प्रतियोगिता में जिले के प्रतिभाशाली बालक-बालिकाओं को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। साथ ही आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए बीकानेर जिले की टीम का चयन किया जाएगा। जिला जिम्नास्टिक संघ के अध्यक्ष सीए सुधीश शर्मा ने बताया कि इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता के आधार पर प्रथम राजस्थान राज्य यूथ आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक प्रतियोगिता 2026-27 के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 2 से 4 नवंबर तक डॉ. करणी सिंह स्टेडियम, बीकानेर में आयोजित होगी। जिम्नास्टिक प्रशिक्षक संतोष नायक ने बताया कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 10 से 16 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिकाएं भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य जिले में जिम्नास्टिक खेल को बढ़ावा देना तथा युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए उचित मंच उपलब्ध करना है।

पंजीकरण के लिए दस्तावेज जरूरी

प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी आयोजन सचिव प्रदीप सिंह पवार से संपर्क कर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीकरण के लिए आधार कार्ड, बैंक खाते का विवरण, आयु प्रमाण-पत्र तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना अनिवार्य होगा। जिला जिम्नास्टिक संघ ने जिले के सभी पात्र खिलाड़ियों एवं अभिभावकों से प्रतियोगिता में अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है। संघ को उम्मीद है कि इस आयोजन से जिले की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा और चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बीकानेर का प्रतिनिधित्व कर सकेंगे।

दुकान से लाखों का सामान चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

निर्स

नोखा (नवयत्न)। नोखा पुलिस ने हार्डवेयर की दुकान से लंबे समय से लाखों रुपये का सामान चोरी करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अमरचंद मेघवाल को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में अब तक करीब छह लाख रुपये के सामान की चोरी सामने आई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर चोरी के माल की बरामदगी तथा इसमें शामिल अन्य लोगों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। पुलिस के अनुसार, रोड़ा रोड निवासी संजय भट्टड़ ने रविवार को नोखा थाने में चोरी का मामला दर्ज करवाया था। परिव्रादी ने अपनी हार्डवेयर की दुकान में काम करने वाले कर्मचारी पर पांकी की मोटर, फिटिंग का सामान, लोहे एवं स्टील का सामान, सीमेंट सहित अन्य सामग्री चोरी करने का आरोप लगाया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सीआई गोविंद सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अमरचंद मेघवाल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया है। हेड कॉन्स्टेबल सतीश मुंड की टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है।

कम कीमत पर चोरी का सामान खरीदने वालों की तलाश

पुलिस जांच में चोरी के सामान को कम कीमत पर खरीदने वाले कुछ अन्य लोगों की संलिप्तता की आशंका भी सामने आई है। पुलिस इस पहलू पर जांच कर रही है कि चोरी का माल किन लोगों को बेचा गया और इस मामले में अन्य कौन.कौन शामिल हैं। संभावित खरीदारों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। कार्रवाई करने वाली टीम में हेड कॉन्स्टेबल सतीश मुंड, कॉन्स्टेबल तेजाराम एवं चालक पुखराज शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के आधार पर चोरी के सामान की बरामदगी और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों का खुलासा करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कोटवासन माता मंदिर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर, 244 मरीजों को मिला लाभ



संजय खौनी

झुंझुनूं (नवयत्न)। कुमावास गांव स्थित कोटवासन माता मंदिर परिसर में नेचुरोपैथी डॉक्टर्स महासंघ की ओर से 9वां निःशुल्क प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 244 मरीजों ने निःशुल्क चिकित्सा सेवाओं और स्वास्थ्य परामर्श का लाभ लिया। डॉ. घनश्याम चौधरी ने बताया कि श्री कोटवासन माता एवं स्वर्गीय भैरराज जी खिचड़ की कृपा से आयोजित शिविर में चिकित्सकीय टीम ने ग्रामीणों को प्राकृतिक चिकित्सा और योग के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया। शिविर में मरीजों को आवश्यक चिकित्सा सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। शिविर में संजीव, दीक्षांत, नीरज, प्रमोद, रोहित, आलोक, मनीष, निधि, पूजा, अनुप्रिया, रिंतु और स्नेहा सहित चिकित्सकीय टीम के सदस्यों ने सेवाएं दीं। नेचुरोपैथी डॉक्टर्स महासंघ ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले चिकित्सकों, सहयोगकर्ताओं और ग्रामवासियों का आभार जताया। महासंघ का उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा और योग को आमजन तक पहुंचाकर स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देना है।

खाचरियावास ने लगाए वीएलटीडी डिवाइस पर 1000 करोड़ की वसूली का आरोप

निर्स

जयपुर (नवयत्न)। पूर्व परिवहन मंत्री एवं कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास ने राजस्थान की भाजपा सरकार पर व्यावसायिक वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस वीएलटीडी लगाने के नाम पर कथित बड़े भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और परिवहन मंत्री प्रेमचंद बैरावा से मामले में जवाब मांगते हुए करीब 800 से 1000 करोड़ रुपए के संभावित घोटाले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। खाचरियावास ने कहा कि राजस्थान में 16 लाख से अधिक व्यावसायिक वाहन हैं। इनमें टैक्सी, छोटे व्यावसायिक वाहन और बड़े मालवाहक वाहन शामिल हैं। उनके अनुसार, पहले जिस उपकरण को करीब 5 हजार रुपए में लगवाया जा सकता था, उसके लिए अब 15 से 17 हजार रुपए तक वसूलें जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने नंबर कि सवाल उठाया कि यदि उपकरण की वास्तविक कीमत और वाहन मालिकों से वसूली जा रही राशि में इतना अंतर है, तो अतिरिक्त पैसा कहाँ जा रहा है। खाचरियावास ने कहा कि रसीद पर करीब 5,500

रुपए की राशि दर्शाने और वाहन मालिकों से लगभग 15,500 रुपए तक वसूलने की शिकायतें गंभीर हैं। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि निर्धारित शुल्क कितना है, उपकरण की वास्तविक लागत क्या है और अतिरिक्त राशि किस आधार पर ली जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार इस पूरी प्रक्रिया से जुड़े डेंडर, कंपनियाँ, डीलरों और शुल्क का विवरण सार्वजनिक करेए ताकि स्थिति स्पष्ट हो सके। कांग्रेस नेता ने हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के ठेकों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि पहले भी वाहन मालिकों से निर्धारित राशि से अधिक वसूली किए जाने को लेकर सवाल उठे थे। उस समय लोगों को राहत देने और अतिरिक्त राशि वापस कराने की बात कही गई थीए लेकिन उनके अनुसार वाहन मालिकों को अब तक अपेक्षित राहत नहीं मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब वीएलटीडी उपकरण के नाम पर भी वाहन मालिकों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। खाचरियावास ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी जनता को राहत देना है, न कि नियमों के नाम पर टैक्सी चालकों, छोटे वाहन मालिकों और परिवहन कारोबार से जुड़े लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालना।



उन्होंने मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री से मामले में चुप्पी तोड़ने और सार्वजनिक रूप से जवाब देने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि सरकार का मानना है कि पूरी प्रक्रिया नियमानुसार चल रही है, तो उसे संबंधित दस्तावेज और शुल्क का पूरा विवरण सामने रखना चाहिए। साथ ही, मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और

अनियमितताएं प्रमाणित होने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। खाचरियावास ने चेतावनी दी कि कांग्रेस इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाएगी। उन्होंने मांग की कि सरकार वीएलटीडी उपकरण की कीमतों में कथित बढ़ोतरी, वाहन मालिकों से वसूली गई राशि और उन्हें राहत देने के उपायों पर स्पष्ट जवाब दे।

नशे के विरुद्ध युद्ध अभियान के तीसरे चरण में 5 किमी दौड़ का आयोजन



निर्स

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। युवाओं को नशे से दूर रखने, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा खेलों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे नशे के विरुद्ध युद्ध अभियान के तीसरे चरण के अंतर्गत 5 किलोमीटर दौड़ का आयोजन किया गया। स्वस्थ युवा, मजबूत श्रीमाधोपुर के संकल्प के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों के सैकड़ों युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दौड़ में ग्राम पंचायत छिलावाली, महरोली, भारणी, मऊ, मुण्डरू, अरनिया, खुर्मुपुरा एवं सिमाला जागीर के युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दौड़ का शुभारंभ महरोली स्थित मोहनदास गौशाला से हुआ तथा इसका समापन अरनिया स्थित श्री कृष्ण गौशाला तक किया गया। कार्यक्रम आयोजक भानु प्रताप के साथ मूलचंद, रामेश्वर लाल, मुकेश कुमावत, बाबूलाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उपस्थित गणमान्य लोगों ने युवाओं को नशे से दूर रहने, नियमित व्यायाम करने तथा खेलों को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। आयोजक भानु प्रताप ने इस पहल के माध्यम से युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक होने तथा सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया। अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं में नशे के प्रति जागरूकता पैदा करना, शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है।इस दौड़ ने युवाओं में उत्साह, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया। आयोजक भानु प्रताप ने आमजन एवं युवाओं से इस मुहिम से जुड़ने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने की अपील की।संदेश दिया गया कि नशामुक्त युवा, स्वस्थ समाज, सशक्त श्रीमाधोपुर।

जयपुर की सड़कों पर सजा रावण बाजार : महंगाई से दोगुनी हुई पुतलों की कीमत

निर्स

जयपुर (नवयत्न)। असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की जीत के प्रतीक विजयादशमी पर्व को लेकर राजधानी में उत्साह चरम पर है। मंगलवार को दशरहा पर्व भूमधाम से मनाया जाएगा। शहर के विभिन्न इलाकों में रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले बनाने का काम तेजी से चल रहा है। वहीं सोडाला, मानसरोवर मेट्रो स्टेशन, आदर्श नगर, टोंक रोड, सहकार मार्ग और अजमेर रोड सहित प्रमुख सड़कों पर रावण बाजार सज गए हैं। इन बाजारों में पुतलों की खरीदारी और उन्हें देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। हालांकि इस बार भी महंगाई ने रावण के पुतलों की कीमत भी बढ़ा दी है। कच्चे माल के दाम बढ़ने से पुतले बनाने की लागत में इजाफा हुआ है और कारीगरों के अनुसार कई आकार के पुतलों की कीमत पिछले साल के मुकाबले दोगुनी तक हो गई है। मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के पास सजे अस्थायी बाजार में अलग-अलग आकार और आकर्षक सजावट वाले रावण के पुतले लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। यहां बच्चों के लिए छोटे पुतलों से लेकर कॉलोनी समितियों, क्लबों और सार्वजनिक आयोजनों के लिए 10 से 51 फीट तक के विशाल पुतले उपलब्ध हैं। कारीगरों ने रंग-बिरंगे कागज, आकर्षक मुकुट, पलवार और बड़ी-बड़ी मूूर्छों से पुतलों को सजाया है। रावण के साथ कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले भी तैयार किए जा रहे हैं।

बांस से लेकर लोहे के तार तक महंगे

रावण के पुतले बनाने वाले कारीगर राहुल ने बताया कि कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी से इस बार पुतले बनाना महंगा हो गया है। पहले बांस करीब 100 से 150 रुपए में मिलता था, जिसकी कीमत अब बढ़कर 200 रुपए हो गई है। इसी तरह पुराने अखबार की रद्दी के भाव में भी बढ़ोतरी हुई है। पहले रद्दी करीब 10 रुपए प्रति किलो मिलती थी, जबकि अब इसकी कीमत बढ़ गई है। कारीगर काले के अनुसार कबाड़ी घरों से रद्दी खरीदकर पेपर मिलों को करीब 25 से 30 रुपए प्रति किलो के भाव से बेचते हैं। पेपर मिलों की ओर से रद्दी के भाव बढ़ने का असर पुतलों की लागत पर भी पड़ रहा है। एक पुतला बनाने में करीब 30 से 35 किलो तक रद्दी कागज लग जाता है। ऐसे में केवल कागज पर होने वाला खर्च भी बढ़ गया है।

लोहे का तार 70 से बढ़कर 90 रुपए किलो तक

पुतलों का ढांचा तैयार करने में लोहे के तार का भी इस्तेमाल होता है। कारीगरों के मुताबिक पिछले साल लोहे का तार करीब 60 रुपए प्रति किलो था, जो अब बढ़कर 85 से 90 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गया है। एक पुतले के निर्माण में करीब 10 किलो तार लग जाता है। बांस, कागज और तार की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ अन्य सामग्री महंगी होने से पुतलों की कुल लागत पर असर पड़ा है। कारीगरों का कहना है कि राजधानी में इस बार अधिक बारिश ने भी उनके काम को प्रभावित किया है, जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा।

एक फीट से 100 फीट तक के पुतले

कारीगर जगदीश ने बताया कि वह कई वर्षों से अपने परिवार के साथ रावण के पुतले बनाने का काम कर रहे हैं। दशरहे से करीब एक महीने पहले ही अलग-अलग जगहों से पुतलों के ऑर्डर मिलने शुरू हो जाते हैं। पुतलों की कीमत उनकी ऊंचाई और आकार के हिसाब से तय होती है। सामान्य तौर पर 10 से 30 फीट तक के पुतले बनाए जाते हैं, लेकिन इस बार बाजार में बड़े पुतलों की मांग भी है। बच्चों के लिए एक से पांच फीट तक के छोटे पुतले भी उपलब्ध हैं।

एडवांस बुकिंग, शाम को बाजार में मेले जैसा माहौल

पारंपरिक कारीगर कई सप्ताह से दिन-रात मेहनत कर बांस, रस्सी, रंगीन कागज और सरस की मदद से पुतले तैयार कर रहे हैं। महंगाई के बावजूद कारीगरों का उत्साह बना हुआ है। कॉलोनी समितियां और स्थानीय आयोजक अपनी जरूरत के अनुसार पुतलों की अग्रिम बुकिंग करा रहे हैं। बाजार में रावण के पुतलों के अलावा बच्चों के लिए मुखौटे, तीर-कमान, गदा और राम-लक्ष्मण से जुड़े खिलौने भी बिक रहे हैं। दशरहे से एक दिन पूर्व सोमवार शाम होते ही मानसरोवर मेट्रो स्टेशन, सोडाला, आदर्श नगर, टोंक रोड, सहकार मार्ग और अजमेर रोड सहित प्रमुख सड़कों पर मेले जैसा नजर आने लगा है। परिवारों के साथ लोग पुतलों के दाम पूछने और खरीदारी करने पहुंच रहे हैं। बच्चों और युवाओं में रावण दहन को लेकर खास उत्साह है। अब शहरवासियों को विजयादशमी के उस पल का इंतजार है, जब बुराई के प्रतीक रावण के पुतलों का दहन होगा और मैदानों में जय श्रीराम के जयकारे गूँजेगे।

बिजली लाइन में फॉल्ट से गाय की मौत, 6 घरों के उपकरण जले, लाखों का नुकसान

डीपी खिसककर ट्रांसफार्मर से टकराई, हाई वोल्टेज से घरों की फिटिंग, टीवी-पंखे और मंदिर का लाउडस्पीकर जला

बुगाला (नवयत्न)। निकटवर्ती मीणा की ढाणी, तन कारी में सोमवार को बिजली लाइन में फॉल्ट होने से बड़ा हादसा हो गया। ट्रांसफार्मर की डीपी खिसककर टकराने से 11 केवी लाइन में फॉल्ट हो गया। इससे खेत में चर रही एक गाय की करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हाई वोल्टेज आने से आसपास के करीब आधा दर्जन घरों की बिजली फिटिंग और घरेलू उपकरण जल गए। ग्रामीणों ने लाखों रुपए के नुकसान की बात कही है। जानकारी के



अनुसार किसान सुरेश धायल की गाय खेत में चर रही थी। वह ट्रांसफार्मर के ताण के तारों से खुजला रही थी। इसी दौरान ट्रांसफार्मर पर एक ही स्ट्रंचर पर लगी घरेलू कनेक्शनों की डीपी खिसककर ट्रांसफार्मर से टकरा गई। इससे बिजली लाइन में फॉल्ट हुआ और करंट फैल गया। हादसे में गाय की मौत हो गई। हाई वोल्टेज के कारण महीपाल मीणा, राजू मीणा, विद्याधर मीणा, हजारी मीणा और तरुण धायल के घरों की बिजली फिटिंग जल गई। घरों में लगे टीवी, पंखे और अन्य बिजली उपकरण भी खराब हो गए। पास के मंदिर की बिजली फिटिंग और लाउडस्पीकर जलने की भी सूचना है। सूचना पर कुमावास के जेईएन मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर नुकसान का जायजा लिया।

ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लगाए लापरवाही के आरोप

किसान नेता सुभाष बुगालिया और आशीष पवार ने हादसे के लिए बिजली विभाग की लापरवाही को जिम्मेदार बताया। उनका आरोप है कि विभाग ने एक ही स्ट्रंचर पर ट्रांसफार्मर और डीपी लगा रखी थी। डीपी बिना नट-बोल्ट के लटकी हुई थी। इस संबंध में विभाग को कई बार शिकायत भी की गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते सुधार किया जाता तो हादसा टल सकता था।

निर्स

नोखा (नवयत्न)। अपना घर आश्रम नोखा में आयोजित श्रीराम कथा का सोमवार 19 अक्टूबर को श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में समापन हुआ। कथा के अंतिम दिन कथावाचक मनोज कुमार शास्त्री ने भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन करते हुए धर्म, मर्यादा, त्याग, कर्तव्य और लोककल्याण का संदेश दिया। इस अवसर पर आश्रम में निवासरत प्रभुजनों ने भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमानजी का स्वरूप धारण कर सजीव धार्मिक झांकी प्रस्तुत कीए जो आयोजन का विशेष आकर्षण रही। श्रीराम के राजतिलक प्रसंग से दिया मर्यादा और लोककल्याण का संदेश कथा के अंतिम दिन भगवान श्रीराम द्वारा रावण वध कर अधर्म पर धर्म की विजय स्थापित करने, अयोध्या लौटने और राजतिलक के बाद राज्य की बागडोर संभालने के प्रसंगों का वर्णन किया गया। कथावाचक मनोज कुमार शास्त्री ने भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन और रामराज्य की अवधारणा के माध्यम से न्याय, करुणा, सद्भाव और जनकल्याण का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन प्रत्येक व्यक्ति को सत्य के मार्ग पर चलने और अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की प्रेरणा देता है।

प्रभुजनों की सजीव झांकी ने मोह मोन

श्रीराम कथा के समापन अवसर पर अपना घर आश्रम में निवासरत प्रभुजनों ने भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मणजी और हनुमानजी का स्वरूप धारण कर आकर्षक झांकी प्रस्तुत की। प्रभुजनों को इस भावपूर्ण प्रस्तुति ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि प्रेम, अपनत्व, सम्मान और सकारात्मक वातावरण से प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में खुशियां लाई जा सकती हैं।



देशनोक पदयात्रियों के लिए सेवा अभियान का समापन

नवरात्र के अवसर पर देशनोक स्थित करणी माता मंदिर जाने वाले पदयात्रियों के लिए अपना घर आश्रम नोखा की ओर से संचालित सेवा अभियान का भी सोमवार को समापन हुआ। अभियान के दौरान पदयात्रियों को चिकित्सा सहायता, फल वितरण और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया गया। इस सेवा पहल का उद्देश्य श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम बनाने के साथ सेवा और मानवीय संवेदनाओं को बढ़ावा देना रहा।

स्टाफऔर सेवा साधियों के सहयोग से सफल हुए आयोजन

श्रीराम कथा और पदयात्रियों के लिए संचालित सेवा अभियान को सफल बनाने में अपना घर आश्रम के स्टाफसदस्यों, सेवा साधियों और सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी ने समर्पण, सेवाभाव और आपसी समन्वय के साथ व्यवस्थाओं में सहयोग किया। दोनों आयोजनों का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि धर्म केवल पूजा.पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंदों की सहायता, पीड़ित मानवता की सेवा और सभी के प्रति प्रेम एवं करुणा का भाव रखना भी धर्म का महत्वपूर्ण स्वरूप है। भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाकर मानव सेवा को प्राथमिकता देना ही ऐसे आयोजनों की वास्तविक सार्थकता है।

महंगाई से दोगुनी हुई पुतलों की कीमत

